शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

# चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 280 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 28 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

**शारदीय नवरात्र**

**षष्ठम कात्यायनी**

आज मां भगवती के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूजा-अर्चना होगी। माता ने अपने इस पुत्री स्वरूप से पिता के कुल की रक्षा का संदेश दिया है। कात्यायन ऋषि ने तपकर देवी से वरदान मांगा कि आप पुत्री रूप में मेरे कुल में जन्म लें। देवी ने कात्यायन ऋषि की प्रसन्नता के लिए अपना अजन्मा स्वरूप त्याग कर पुत्री रूप में जन्म लिया। सामान्यत: पुत्री का गोत्र पति के गोत्र से चलता है, लेकिन यहां देवी सदा-सर्वदा के लिए पिता के गोत्र से जुड़ गई। इसी कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ा। इस रात्रि जागरण और जप करने से साधक को सहज ही माता कात्यायनी की कृपा का लाभ मिलता है। नवरात्र की षष्ठी माता सरस्वती को समर्पित है।

# दंगा किया तो जहन्नुम...गजवा-ए-हिंद पर दूंगा नरक का टिकट : योगी

**बलरामपुर (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बलरामपुर के दौरे पर हैं। यहां लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने बरेली बवाल पर 24 घंटे में तीसरी बार दंगाइयों को अलटीमेटम दिया। कहा कि यूपी में अराजकता और दंगा करने वालों को जहन्नुम का टिकट दूंगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना पर नरक का टिकट मिलेगा। भारत में उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया।

सीएम ने आज सुबह देवीपाटन मंदिर में मां पाटेश्वरी के दर्शन कर उनके पांव पखारे। इसके बाद आरती की। यहां से वह गोशाला पहुंचे। वहां पर गायों को चना... गुड़ और रोटियां खिलाकर गोसेवा की। इसके बाद सीएम ने मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। बच्चों को दुलारा और टाफियां दीं। बताते चलें कि सीएम योगी शनिवार की रात यहां पहुंचे

थे। उस समय मंदिर में दर्शन करके विश्राम को चले गए थे। उन्होंने रात्रि विश्राम यहीं मंदिर में ही किया था।

सीएम ने मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से मुलाकात करके बच्चों से भी मिले। बच्चों को टाफियां देकर उन्हें दुलार किया और खूब मन लगाकर पढ़ने को कहा। इस

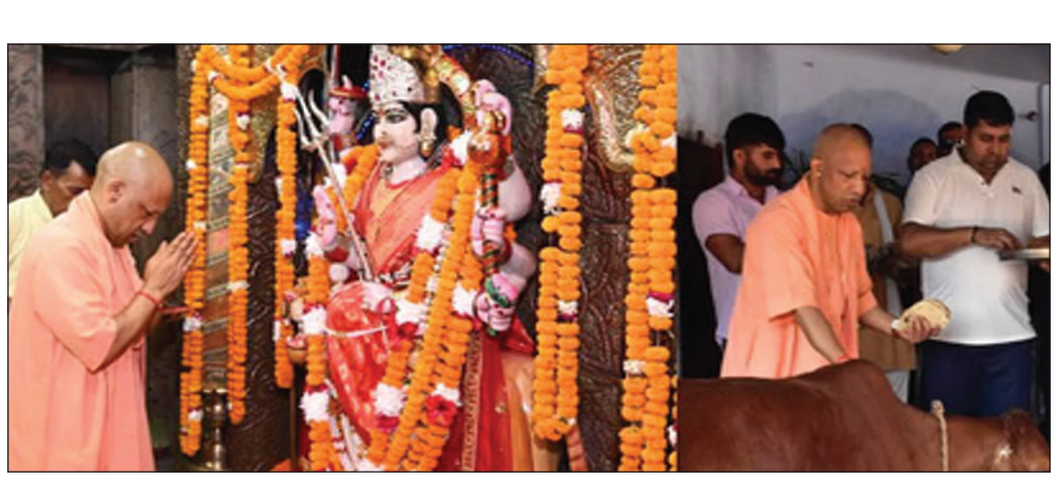

दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रवींद्र दास भी मौजूद रहे।

इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने एक बार फिर प्रदेश में अराजकता और दंगा फैलाने वालों को चेतावनी दी। कहा कि यूपी में ऐसा करने की हिम्मत की तो जहन्नुम का टिकट दूंगा। बरेली का हवाला देते हुए सबक लेने को कहा। उन्होंने छांगुर की कालनेमि राक्षस से तुलना की। कहा कि विकास में बाधा डाली तो ऐसे राक्षसों का विनाश होगा। सपा और कांग्रेस के अराजकतत्वों से मिले होने की बात कही।

सीएम ने कहा कि कुछ लोग भारत में रहते हैं, लेकिन गजवा-ए-हिंद का नारा लगाकर देश के भीतर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा-ए-हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। भारत की धरती महान आत्माओं की भूमि है। यह उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया है। गजवा-ए-हिंद की कल्पना करना, इसके बारे में सपना देखना भी नरक का टिकट बन जाएगा। जो लोग ऐसी गतिविधियों में लगे हैं, वे कान खोलकर सुन लें। देर-सवेर उनका भी हश्र छांगुर जैसा ही होगा।

## 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं की दी सौगात

मंदिर से निकलने के बाद सीएम धूधुलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी योजनाओं पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का उद्घाटन किया। 2047 में विकसित भारत के लिए आम लोगों से सुझाव भी मांगे।

## तमिलनाडु के करूर में रैली भगदड़, 39 की मौत

### प्रधानमंत्री ने किया मुआवजे की घोषणा

**करूर (तमिलनाडु), एजेंसी।** तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 17 महिलाएं, 13 पुरुष, 4 लड़के और 5 लड़कियां शामिल हैं। वहीं 93 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 67 का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की।

कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने कहा कि यह करूर के लिए अभूतपूर्व त्रासदी है और स्थानीय परिवारों पर इसका गहरा असर पड़ा है। वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने आयोजन के जिम्मेदारों पर भी सवाल उठाए। स्वास्थ्य सचिव पी. सेंथिल कुमार ने बताया कि मृतकों का पोस्टमार्टम जारी है और गंभीर घायलों को मदुरै मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित किया गया है।

## सितंबर खत्म होते-होते भी गर्मी ने दिखाई ताकत, बिजली की मांग लगातार बढ़ी

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** सितंबर के अंत में सामान्यत: सर्दी के दस्तक देने की उम्मीद रहती है, लेकिन इस साल मौसम ने इसके उलट चाल चली है। मई और जून जैसी गर्मी अब भी बरकरार है और इसका सीधा असर बिजली की मांग पर पड़ रहा है। नोएडा पावर कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल इसी अवधि की तुलना में औसत बिजली की मांग 25 से 100 मेगावाट अधिक दर्ज की गई है।

रविवार से शनिवार तक अधिकतम बिजली की मांग ज्यादातर 700 मेगावाट के आसपास रही, जबकि पिछले साल इस दौरान मांग 600 से 650 मेगावाट के बीच रही थी। विशेष रूप से 27 सितंबर को बिजली की मांग पिछले साल के इसी दिन की तुलना में 114 मेगावाट अधिक रही। नोएडा पावर कंपनी के प्रवक्ता मनोज झा ने बताया कि उच्च तापमान और आर्द्रता के कारण बिजली की मांग लगातार अपने अधिकतम स्तर पर चल रही है और तापमान में गिरावट आने तक इस स्थिति में कोई राहत की उम्मीद नहीं है।

स्थानीय लोग गर्मी और उमस से बेहाल दिखे। घरों और ऑफिसों में कूलर और एयर कंडीशनर की खपत बढ़ गई है, लेकिन तापमान के उच्च स्तर

के कारण राहत कम ही मिल रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के अंत तक आमतौर पर ठंडक बढ़ने लगती है, लेकिन इस साल मानसून के अच्छे प्रभाव के बावजूद तापमान में गिरावट धीमी रही।

नोएडा पावर कंपनी ने चेतावनी दी है कि बिजली की मांग इसी स्तर पर बनी रहने की संभावना है। उन्होंने सलाह दी कि उपभोक्ता ऊर्जा की बचत पर ध्यान दें और बिजली के अधिक उपयोग से बचें। शहरवासियों के लिए यह गर्मी उम्मीद से लंबी और बिजली खपत की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है।

## भाजयुमो अध्यक्ष समेत कईयों ने सुनी मोदी के मन की बात

**नोएडा (चेतना मंच)।** आज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रामनिवास के सानिध्य में कई भाजपा कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीणों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 126वें एपिसोड को नोएडा महानगर के कृष्णा मंडल के ग्राम कनावनी में बूथ संख्या 139 पर सुना। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव, बूथ अध्यक्ष चेतन, मंडल महामंत्री देवेंद्र शर्मा, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, अंकित प्रजापति, दीनदयाल, अरुण यादव, प्रमोद त्यागी, रवि, राहुल आदि कई लोग मौजूद थे।

## कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे का किया स्वागत

**नोएडा (चेतना मंच)।** बागपत बड़ौत के कोडिनेटर पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में अखिल भारतीय कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिव यूपी प्रभारी पूर्व सांसद अविनाश पांडेय से कांग्रेस नेताओं ने मुलाकात कर पगड़ी बांधकर पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

सतेन्द्र शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सगठन सृजन अभियान को लेकर बड़ौत बागपत की विस्तृत रिपोर्ट दी और बताया कि बड़ौत में कांग्रेस जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है जनमानस में कांग्रेस पार्टी के प्रति रुझान है सभी फ्रंटल से लेकर बूथ लेवल पर कार्य चल रहा है जल्द पूरा हो जाएगा जिसको लेकर वहाँ के कांग्रेसजनो में जोश है,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के सचिव लियाक़त चौधरी ने कहा है कि जमीनी स्तर से लेकर सँघर्ष करने वाले नेता है जो कार्यकर्ताओ की सारी बात सुनते है और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते है इनके नेतृव में कांग्रेस यूपी में मजबूती की और बढ़ती जा रही है,प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का कार्य माननीय प्रभारी जी कर रहे है इनके नेतृव में समस्त कांग्रेस जन भाजपा की जन विरोधी नीतियों को घर घर पहुँचा रहा है,इस अवसर पर कोडिनेटर सतेंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राकेश शर्मा,मुन्ना ओझा,वरिष्ठ नेता।लियाक़त चौधरी, प्रदेश सदस्य यतेंद्र शर्मा सहित अन्य जिलों के नेताओ ने मुलाकात की।

## ''री-स्पनः द खादी एडिट'' में खादी का आधुनिक अंदाज

### दर्शकों से खचाखच भरे हाल में हुआ भव्य आयोजन

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** हॉल खचाखच भरा था... दर्शकों को खादी फैशन शो का बेसब्री से इंतज़ार था। जैसे ही रोशनी जली और संगीत गूंजा, सबकी निगाहें रैंप की ओर टिकी रह गईं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के तीसरे दिन आयोजित ''री-स्पन-द खादी एडिट'' ने उत्तर प्रदेश की कपड़ा विरासत को आधुनिक अंदाज़ में प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश के एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, वस्त्र एवं हथकरघा मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे।

''री-स्पन- द खादी एडिट'' ने खादी को पारंपरिक परिधान से निकालकर आधुनिक फैशन की धुरी के रूप में पेश किया। रैंप पर मॉडल्स ने खादी की विविधता को हौट कॉउचर अंदाज़ में प्रदर्शित किया। कहीं चिकनकारी और रेशमी बुनावट को इंडो-वेस्टर्न लुक में ढाला गया तो कहीं खादी को ऑफिस वियर, कैजुअल्स और पार्टी वियर की शक्ल में प्रस्तुत किया गया।

शो का उद्देश्य केवल फैशन का प्रदर्शन भर नहीं था, बल्कि यह स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के कौशल को दुनिया तक पहुँचाने का जरिया भी बना। विदेशी बायर्स, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और फैशन डिज़ाइनरों ने खादी की संभावनाओं पर गहरी रुचि दिखाई। खादी की आधुनिक प्रस्तुति ने इसे सस्टेनेबल फैशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में स्थापित किया।

करीब दो घंटे तक चले ''री-स्पन- द खादी एडिट'' का समापन तालियों की गड़गड़ाहट के बीच हुआ। रोशनी, संगीत और खादी के अनूठे डिज़ाइनों से सजा यह मंच दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ। शो ने यह संदेश स्पष्ट किया कि खादी केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य के फैशन का भी मजबूत आधार है।

## यूपीआईटीएस-2025 के तीसरे दिन 1.25 लाख आगंतुक, 89 करोड़ के 288 एमओयू

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) के तीसरे दिन प्रदर्शनी स्थल पर 1,25,204 से अधिक आगंतुक पहुंचे। अब तक तीन दिनों में कुल 2.65 लाख से ज्यादा विज़िटर्स शामिल हो चुके हैं। इस दौरान 288 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए जिनकी कुल राशि 89 करोड़ रही।

ओडीओपी पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना, जहां 46 हजार से अधिक लीड्स और 20.77 करोड़ के सौदे हुए। तीसरे दिन ई-कॉमर्स और डिजिटल निर्यात पर विशेष जोर रहा, वहीं

सीएम युवा कॉन्क्लेव से युवाओं में जबरदस्त उत्साह दिखा। इस मंच से तीन दिन में 5.5 हजार बिजनेस पूछताछ और 101 बी2बी बैठकें दर्ज की गईं। नीति दिवस में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। वहीं खादी फैशन शो ने परंपरा और आधुनिकता का संगम पेश कर खूब सराहना बटोरी। सांस्कृतिक संध्या में लोकनृत्य और पद्मश्री मालिनी अवस्थी के सुरों ने समापन को भव्य बना दिया।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

## चुनाव का वक्त

पिछड़े, अंतत:, पिछड़े ही रहे हैं और संभवत: इसी हाल में रहेंगे। वे कभी अगड़े नहीं बन सकते, क्योंकि सरकारें ऐसा चाहती हैं। बिहार में चुनाव का वक्त आया है, तो फिर 'अति पिछड़ों' की याद चली आई है। देश की आजादी के 78 लंबे सालों के दौरान पिछड़ों को 'आरक्षण का चुग्गा' जरूर दिया जाता रहा है, लेकिन वह भी 'अति सीमित' है, लिहाजा पिछड़े कभी भी अगड़े नहीं बन सकते। शायद यही उनकी नियति है। तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को स्वीकृति देकर लागू किया था, तो पिछड़ों के कुछ नसीब खुले थे। अब एक बार फिर जातीय गणना और आरक्षण की घोषणाएं की गई हैं। कांग्रेस ने संकल्प लिया है कि बिहार में उसकी सरकार बनी, तो सरकारी ठेकों में 50 फीसदी तक आरक्षण 'अति पिछड़ों' को दिया जाएगा। निजी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए भी आरक्षण लागू किया जाएगा। पंचायतों और नगर निकायों में अभी तक जो 20 फीसदी आरक्षण है, उसे बढ़ा कर 30 फीसदी किया जाएगा। हम याद दिला दें कि जब 2005 में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने थे, तो उन्होंने 'अति पिछड़ों' का एक अलग वर्गीकरण किया था और उन्हें पहली बार पंचायतों और नगर निकायों में 20 फीसदी आरक्षण की सुविधा दी थी। यही नहीं, उस दौर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 40.05 करोड़ रुपए की राशि भी आवंटित की थी। नतीजतन तब से आज तक 'अति पिछड़े' नीतीश के पक्ष में लामबंद रहे हैं। करीब 70-80 फीसदी तक मतदान भी जनता दल-यू के पक्ष में किया जाता रहा है। अब कांग्रेस ने कुछ घोषणाएं कर नीतीश के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। कांग्रेस ने अपने 'संकल्प-पत्र' में यह भी वायदा किया है कि सरकार बनने पर वह 'अति पिछड़ा अत्याचार निवारण अधिनियम' भी पारित करेगी। बेशक नीतीश भी अपना वोट बैंक बचाए रखने को कुछ बड़ी आरक्षणनुमा घोषणाएं कर सकते हैं। वैसे आज प्रधानमंत्री मोदी के जरिए मुख्यमंत्री ने 75 लाख महिलाओं को 10,000 रुपए प्रति, यानी 7500 करोड़ रुपए, योजना का शुभारंभ कराया है। बेरोजगार युवाओं के लिए मासिक भत्ता, स्नातकों के लिए लैपटॉप आदि कई घोषणाओं की झड़ी लगी है। बहरहाल सवाल फिर भी यथावत है कि क्या ऐसी घोषित व्यवस्थाओं से अति पिछड़े 'अगड़े' बन सकेंगे। हमारा अनुभव है कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं होगा। देश के कुछ आंकड़े प्रस्तुत हैं, जिनके लिए तमाम सरकारें दोषी और जिम्मेदार हैं। देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 2630 ऐसे पद आज भी रिक्त हैं, जिन पर अनुसूचित जाति, जनजाति और अति पिछड़े प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्तियां की जानी हैं। दिल्ली के एम्स अस्पताल में ही रेजिडेंट डॉक्टरों के ऐसे 730 पद खाली पड़े हैं, जो दलित, आदिवासी और अति पिछड़ों के लिए लगभग आरक्षित हैं, लेकिन नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। एक अनुमान है कि देश में 63 फीसदी से अधिक आबादी ओबीसी और अति पिछड़ों की है। इसे बिहार तक समेट कर न देखा जाए। संविधान के मुताबिक, पर्याप्त शिक्षा के बाद शीर्ष और बेहतर सरकारी पदों पर नियुक्तियां अति पिछड़ों का भी अधिकार है। आज कांग्रेस टसुए बहा रही है, लेकिन प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर प्रधानमंत्री राजीव गांधी तक सभी पिछड़ा-विरोधी रहे हैं और किसी भी तरह के आरक्षण के खिलाफ थे, लिहाजा मंडल आयोग की रपट धूल फांक रही थी। आज राहुल गांधी ने घोषणा की है कि कांग्रेस आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार को भी तोड़ेगी। क्या पार्टी सर्वोच्च अदालत के फैसले के खिलाफ भी जाएगी? केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने संसद में जो जानकारी दी थी, उसके मुताबिक, बीते पांच सालों में दलित, आदिवासी के आरक्षित और पिछड़े वर्गों के कुल 1195 चेहरों को चुना गया। उन्हें संघ लोक सेवा आयोग ने आईएएस, आईपीएस, आईएफएस आदि का कैडर प्रदान किया। इतने बड़े देश की पिछड़ी आबादी में क्या यह संख्या पर्याप्त है? और ये पद अभी जूनियर स्तर के हैं। सरकार बताए कि महत्वपूर्ण और शीर्ष पदों पर कितने 'अति पिछड़े' कार्यरत हैं। बहरहाल यह बहस अनंत है।

# भारत के दरवाजे हमारे लिये खुले रहते हैं : ब्रिक्स

एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के तहत फ़िलिस्तीन ने BRICS समूह में सदस्यता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। यह कदम उस समय सामने आया है जब लगातार कई देश फ़िलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान कर रहे हैं। रूस में फिलिस्तीन के राजदूत अब्देल हाफिज़ नोफ़ल ने पुष्टि की है कि आवेदन दायर किया जा चुका है और अब उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है। उनका कहना है कि जब तक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं होतीं, फ़िलिस्तीन अतिथि सदस्य के रूप में भागीदारी कर सकता है।

हम आपको बता दें कि BRICS, जो मूलत: ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेज़ी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना। चीन ने इस विस्तार का स्वागत करते हुए संकेत दिया है कि 'समान विचारधारा वाले साझेदार' BRICS के लिए उपयुक्त हैं। बीजिंग का स्पष्ट संदेश है कि यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों को सशक्त आवाज़ देने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था स्थापित करने का मंच बन चुका है।

देखा जाये तो फिलिस्तीन की इस पहल का समय बेहद महत्वपूर्ण है। एक ओर पश्चिमी देशों की स्थिति वर्षों से इज़राइल-समर्थक रही है, वहीं हाल के सप्ताहों में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और ब्रिटेन जैसे देशों ने फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता प्रदान कर दी है। यह इस बात का संकेत है कि पश्चिमी राजनीतिक परिदृश्य में भी बदलाव आ रहा है। फिलिस्तीन यदि BRICS से जुड़ता है तो यह न केवल प्रतीकात्मक होगा बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिति को भी मज़बूती देगा।

हम आपको बता दें कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और स्वतंत्र राष्ट्र की आकांक्षा का समर्थन किया है। महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी तक की नीतियों में फ़लिस्तीन के प्रति सहानुभूति और समर्थन स्पष्ट रहा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी फिलिस्तीन के पक्ष में मतदान किया है और उसकी विकासात्मक सहायता में योगदान दिया है। हालांकि, पिछले दो दशकों में भारत-इज़राइल संबंधों में उल्लेखनीय निकटता आई है। रक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने नई दिशा दी है। इसके बावजूद भारत ने संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखा है— एक ओर इज़राइल के साथ रणनीतिक साझेदारी, दूसरी ओर फ़िलिस्तीन के राष्ट्र की मान्यता और सहायता।

**BRICS, जो मूलत: ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेज़ी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना।**

हम आपको बता दें कि BRICS का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय व राजनीतिक संस्थाओं में सुधार लाना और विकासशील देशों को मज़बूत आवाज़ देना है। यदि फिलिस्तीन इस संगठन का हिस्सा बनता है तो भारत के सामने संतुलन साधने की चुनौती होगी। एक ओर भारत को ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और ऐतिहासिक रुख का समर्थन करना होगा, वहीं दूसरी ओर इज़राइल के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों को भी ध्यान में रखना पड़ेगा। भारत के लिए यह अवसर भी है कि वह मध्य-पूर्व में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मध्यस्थ बनकर उभरे। भारत 'रणनीतिक स्वायत्तता' की अपनी नीति के तहत यह साबित कर सकता है कि वह पश्चिम और पूर्व के बीच संतुलन साधने में सक्षम है।

देखा जाये तो फिलिस्तीन का BRICS में आवेदन केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नए वैश्विक समीकरण का संकेत है। BRICS अब केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं रहा, बल्कि यह विश्व राजनीति में शक्ति संतुलन का प्रतीक बन चुका है। भारत के लिए यह समय है कि वह फिलिस्तीन की आकांक्षाओं का समर्थन करते हुए शांति, न्याय और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के अपने संकल्प को मज़बूती से रेखांकित करे। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और फ़लिस्तीन के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से भावनात्मक और कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। भारत में फिलिस्तीन राजदूत के बयान ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि नई दिल्ली और रामल्लाह के बीच संबंध विश्वास और सहयोग की मज़बूत नींव पर टिके हुए हैं। फिलस्तीनी राजदूत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत फिलिस्तीनी जनता के लिए ठोस और महत्त्वपूर्ण काम कर रहा है। उन्होंने कहा है कि भारत फिलिस्तीन में कई विकास परियोजनाओं में कार्यरत है, जिनमें एक मिलियन डॉलर का अस्पताल भी शामिल है। इसके अलावा भारत संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए (UNRWA) का भी समर्थन करता है, जो फिलिस्तीन शरणार्थियों की देखभाल करती है। फिलिस्तीनी राजदूत ने भारत के प्रति गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कभी किसी मुद्दे पर चर्चा की आवश्यकता होती है, तो भारतीय विदेश मंत्रालय '24 घंटे खुला रहता है।' यह बयान केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरे भरोसे और सहयोग की गवाही है। जब उनसे पूछा गया कि भारत के अन्य देशों, विशेषकर इज़राइल के साथ बढ़ते संबंधों का क्या असर फिलिस्तीन पर पड़ता है, तो उन्होंने स्पष्ट कहा— 'हम भारत को वृहद स्तर पर देखते हैं।' संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, महासभा, मानवाधिकार परिषद और ज़मीन पर लागू की जा रही परियोजनाओं में भारत की सक्रियता, भारत-फिलिस्तीन संबंधों का वास्तविक पैमाना है।

इस बयान से यह साफ़ है कि फिलिस्तीन भारत की नीति में कोई विचलन नहीं मानता। राजदूत ने स्वीकार किया कि भारत अपने द्विपक्षीय संबंध किसी भी देश के साथ बनाए रख सकता है और फिलिस्तीन इसमें हस्तक्षेप नहीं करता। हम आपको बता दें कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और राष्ट्र निर्माण के अधिकार का समर्थन किया है। फिलिस्तीनी राजदूत के शब्द इस नीति की सफलता को दर्शाते हैं। भारत ने एक तरफ़ फिलिस्तीन को आर्थिक और मानवीय सहायता दी है, तो दूसरी तरफ़ पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों का भी ध्यान रखा है।

बहरहाल, फिलिस्तीनी राजदूत का यह बयान भारत की कूटनीतिक साख को और मज़बूती देता है। यह दर्शाता है कि नई दिल्ली को मध्य-पूर्व में एक विश्वसनीय साझेदार माना जाता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह न केवल विकास परियोजनाओं के माध्यम से बल्कि शांति स्थापना और संवाद की प्रक्रिया में भी केंद्रीय भूमिका निभाए। भारत-फिलिस्तीन संबंध इस बात का उदाहरण हैं कि वैश्विक राजनीति में संतुलन और पारदर्शिता से दीर्घकालिक विश्वास कायम किया जा सकता है।

**नीरज कुमार दुबे**

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

## रामचरित मानस

**पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि कोई कहती है- यदि विधाता भले हैं और सुना जाता है कि वे सबको उचित फल देते हैं, तो जानकीजी को यही वर मिलेगा। हे सखी! इसमें संदेह नहीं है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**जौं बिधि बस अस बनै सँजोगू। तौ कृतकृत्य होइ सब लोगू॥**
**सखि हमरें आरति अति तातें। कबहुँक ए आवहिं एहि नातें॥**

जो दैवयोग से ऐसा संयोग बन जाए, तो हम सब लोग कृतार्थ हो जाएँ। हे सखी! मेरे तो इसी से इतनी अधिक आतुरता हो रही है कि इसी नाते कभी ये यहाँ आवेंगे॥

**दो0-नाहिं त हम कहुँ सुनहु सखि इन्ह कर दरसनु दूरि।**
**यह संघटु तब होइ जब पुन्य पुराकृत भूरि॥**

नहीं तो (विवाह न हुआ तो) हे सखी! सुनो, हमको इनके दर्शन दुर्लभ हैं। यह संयोग तभी हो सकता है, जब हमारे पूर्वजन्मों के बहुत पुण्य हों॥

**बोली अपर कहेहु सखि नीका। एहिं बिआह अति हित सबही का।**
**कोउ कह संकर चाप कठोरा। ए स्यामल मृदु गात किसोरा॥**

दूसरी ने कहा- हे सखी! तुमने बहुत अच्छा कहा। इस विवाह से सभी का परम हित है। किसी ने कहा- शंकरजी का धनुष कठोर है और ये साँवले राजकुमार कोमल शरीर के बालक हैं॥

(क्रमश:...)

## कैसे-कैसे लोग (व्यंग्य)

आजकल समझदार लोगों की बड़ी मांग है। हर जगह इन्हीं की पूछ-परख हो रही है। पहले सिर्फ़ अख़बारों में इनकी गिनती होती थी, कि 'फलां काम के लिए फलां समझदार व्यक्ति ने हामी भर दी।' अब तो सोशल मीडिया के हर कोने में ये अपनी समझदारी का झंडा उठाए घूमते हैं। सुबह-सुबह आप फ़ेसबुक खोलिए, कोई न कोई ज्ञानी महात्मा मिल जाएगा जो बताएगा कि जीवन को ऐसे जियो। दोपहर में वॉट्सऐप पर एक संदेश आएगा जिसमें लिखा होगा, 'सच्चा सुख सिर्फ़ इसमें है।' शाम को आप टीवी खोलेंगे तो कोई विशेषज्ञ आपको आर्थिक समझदारी का ज्ञान देगा, कि 'कैसे अपनी गाढ़ी कमाई को बढ़ाएं।'

**सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। 'अरे! आप क्या सोचते हैं?' हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ़ इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्ज़ी खरीदनी है?**

और हम लोग हैं, जिन्हें कोई समझदार नहीं मानता। हम जो सुबह उठकर, बिना किसी ज्ञान के, बस उठ जाते हैं। हम जो चाय पीते हुए, यह नहीं सोचते कि इससे हमारी आध्यात्मिक उन्नति हो रही है या नहीं। हम जो दफ्तर जाते हुए सिर्फ़ यह सोचते हैं कि आज काम कैसे पूरा होगा, न कि यह कि 'काम ही पूजा है' इस सिद्धांत को कैसे जीवन में उतारें।

समझदार लोग जब मिलते हैं तो उनकी बातचीत भी समझदारी से भरी होती है। एक कहेगा, 'देखो भाई, आजकल यह जो सब हो रहा है, यह सब राजनीति है।' दूसरा कहेगा, 'अरे, आप नहीं समझते, यह तो आर्थिक चक्र है।' तीसरा अपनी बात रखेगा, 'ये सब मानव स्वभाव की देन है।' और हम सिर्फ़ सिर हिलाते रहते हैं। हमें यह भी नहीं पता होता कि 'मानव स्वभाव' में क्या-क्या आता है। शायद सुबह-सुबह उठकर नींद पूरी न होने पर चिड़चिड़ाना भी इसी में आता होगा।

सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। 'अरे! आप क्या सोचते हैं?' हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ़ इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्ज़ी खरीदनी है?

ये समझदार लोग ही हैं जो हर समस्या का समाधान जानते हैं। अगर देश में महंगाई बढ़ रही है, तो उनके पास उसका कारण भी है और इलाज भी। अगर बेरोजगारी है, तो वे बताते हैं कि 'बस, यह सब मानसिकता की बात है।' उनके हिसाब से अगर हम अपनी मानसिकता बदल लें तो अगले दिन ही हमें नौकरी मिल जाएगी।

हम जैसे नासमझ लोग इसी उलझन में जीते हैं कि 'काश, हम भी समझदार होते!' लेकिन फिर सोचते हैं, अगर हम भी समझदार हो गए तो हम भी हर बात पर ज्ञान देने लगेंगे। हमारी भी जिंदगी में जटिलता आ जाएगी। हमारी सोच भी 'आर्थिक चक्र' और 'मानव स्वभाव' के चक्र में फंसकर रह जाएगी।तो चलिए, हम जैसे नासमझ लोग नासमझ ही ठीक हैं। न किसी को ज्ञान देना है, न किसी से ज्ञान लेना है। बस सुबह उठकर चाय पीनी है, काम पर जाना है, शाम को घर लौटकर परिवार के साथ बैठना है। हम सोचते हैं कि इससे ज़्यादा और क्या चाहिए? लेकिन शायद यही हमारी नासमझी का सबसे बड़ा सबूत है। क्योंकि समझदार लोग कहते हैं कि 'जिंदगी का असली मकसद तो जीवन को समझना है।' और हम सिर्फ उसे जी रहे हैं।

**- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',**

## राशिफल

**अश्विन माह, कृष्ण पक्ष षष्ठी** | **(विक्रम संवत् 2082)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। राजनीतिक लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
बच कर पार करें। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क मत लीजिएगा।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस बना रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। प्रेम में तू तू मैं मैं का संकेत है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भूमि भवन वाहन की खरीदारी या भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी स्वास्थ्य अच्छा है।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
जुआ, सट्टा लॉटरी में पैसे ना लगाएं। रिस्क है। जुबान पर काबू रखें। कुटुंबों में थोड़ी सी बात को लेकर के अपनों में हलचल हो सकती है

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
मन चिंतित रहेगा। डर का माहौल रहेगा। किसी बात को लेकर के चिंतित रहेंगे। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक चिंता बनी रहेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

श्री धार्मिक रामलीला समिति

# सीता स्वयंवर से राम वनवास तक की लीला ने बांधा समां

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** श्री धार्मिक रामलीला समिति ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित भव्य रामलीला के चौथे दिन का मंचन शुक्रवार को परम पूज्य गोस्वामी सुशील जी महाराज के निर्देशन और समिति अध्यक्ष श्री आनंद भाटी के मार्गदर्शन में हुआ।

आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री इकबाल सिंह लालपुरा (सदस्य, भाजपा राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड) और विशेष अतिथि राजगुरु बीकानेर स्टेट विमर्शानंद गिरी महाराज उपस्थित रहे।

मंचन की शुरुआत माता सीता स्वयंवर से हुई। भगवान श्रीराम ने भगवान शिव का धनुष तोड़ा, जिससे समूचे ब्रह्मांड में हलचल मच गई। भगवान परशुराम के आगमन व आशीर्वाद के बाद रामङ्कसीता विवाह संपन्न हुआ। इसके साथ ही चारों भाइयों का विवाह जनकपुर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

अयोध्या लौटने पर राम के राज्याभिषेक की तैयारी दिखाई गई, लेकिन मंथरा के बहकावे और कैकई के वचनों के चलते श्रीराम को 14 वर्ष के वनवास का निर्णय सुनना पड़ा। यह दृश्य देख दर्शकों की आंखें नम हो गईं और राम के प्रति अयोध्यावासियों का प्रेम मंच पर जीवंत हो उठा।

रामलीला समिति ने संदेश दिया कि जीवन में किसी के बहकावे में आकर निर्णय नहीं लेना चाहिए, अन्यथा पूरा परिवार और जीवन प्रभावित हो सकता है।

इस अवसर पर संस्थापक परम पूज्य गोस्वामी सुशील जी महाराज, एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी सहित समिति के पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

# प्रभु श्रीराम के वनवासी जीवन की लीलाओं का हुआ भावपूर्ण मंचन

**नोएडा (चेतना मंच)।** श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वावधान में रविवार रात रामलीला मंचन के दौरान प्रभु श्रीराम के वनवासी जीवन की लीलाओं का अद्भुत और मार्मिक चित्रण किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ राम वनवास प्रसंग से हुआ। श्रीराम के वनगमन के दृश्य ने वातावरण को भावुक बना दिया। प्रजाजन बिलखते हुए प्रभु के साथ वन की ओर बढ़ते दिखे। इसके बाद निषादराज गुहा से भेंट और केवट प्रसंग ने श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं।

कैकई का परित्याग, राजा दशरथ का मरण, भरत-कैकई संवाद और भरत-राम मिलन के भावनात्मक प्रसंगों ने दर्शकों को गहराई से व्यथित कर दिया। वहीं दूसरी ओर स्वरूपनखा प्रसंग, अंगभंग, खर-दूषण वध और रावण के महल में प्रवेश जैसे रोमांचक दृश्य प्रभावशाली संवादों और दमदार अभिनय के साथ मंच पर जीवंत हो उठे।

विशेष आकर्षण दशरथ मरण, भरतङ्कराम मिलन, केवट संवाद और स्वरूपनखाङ्कनिकुंभला संवाद रहे। क्लाउड द फायर टीम द्वारा प्रस्तुत भव्य झांकियों ने कार्यक्रम को और भी मनोहारी बना दिया।

इस अवसर पर मधुसूदन दादू, प्रताप मेहता, पंकज जिंदल, कुलदीप गुप्ता, डॉ. टी.एन. गोविल, संजय बाली, सुशील भारद्वाज, शुभकरण सिंह राणा, संजय गोयल, विपिन बंसल, टी.एन. चौरसिया, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, राजीव अजमानी, प्रदीप अग्रवाल, संजय गुप्ता, मित्रा शर्मा, चंद्रपाल सिंह, रमेश कुमार, चितरंजन कुमार, कुलदीप गोयल, के.के. दत्ता, पीयूष द्विवेदी, परवेश बंसल, महेश चौहान, तुषार गोयल, उदय जैन, राघव अग्रवाल, पुनीत शुक्ला, हरि किशोर, शशिधर उपाध्याय, विनय मेहता, छाया राय, अशोक मिश्रा, सुन्दर सिंह राणा, प्रमोद रंगा, निखिल गुप्ता, पुष्कर शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# सेक्टर-62 में रामलीला मंचन का छठा दिन रहा भावुक कर देने वाला

**नोएडा (चेतना मंच)।** श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के छठे दिन राम वनवास, दशरथ वियोग और केवट-राम संवाद जैसे प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मदन चौहान (पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश) सहित नैवेद्य शर्मा, उपदेश भारद्वाज, विजय गर्ग, संजय जैन, महावीर गोयल, कपिल लखोटिया, निरंजन अग्रवाल, राजीव मंगल, ध्रुव अग्रवाल, यश गुप्ता, चौधरी रवींद्र सिंह, राकेश कुमार, संजय चौहान और योगेश शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल और महासचिव डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर किया।

मंचन में दिखाया गया कि देवताओं की इच्छा पर सरस्वती जी ने मंथरा की बुद्धि फेर दी और कैकेयी को राम के वनवास की मांग करने को प्रेरित किया। कैकेयी ने राजा दशरथ से भरत को राजगद्दी और राम को 14 वर्ष का वनवास माँग लिया। यह सुनकर दशरथ विलाप करते हुए मूर्छित हो गए और अंतत: राम-वियोग में प्राण त्याग दिए।

श्रीराम सीता और लक्ष्मण के साथ श्रृंगवेरपुर पहुँचे, जहाँ निषादराज गुहा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद गंगा तट पर केवट-राम संवाद का दृश्य प्रस्तुत हुआ। केवट ने भगवान के चरण धोकर परिवार सहित चरणामृत पिया और फिर उन्हें गंगा पार उतारा। यह भावनात्मक दृश्य देखकर मैदान में मौजूद श्रद्धालु भाव-विह्वल हो उठे।

मंचन ने यह संदेश दिया कि त्याग और श्रद्धा ही सच्ची भक्ति का आधार है—कैकेयी का हठ एक ओर विनाश का कारण बना तो दूसरी ओर केवट की निस्वार्थ सेवा ने भक्ति का आदर्श स्थापित किया।

अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 28 सितंबर को भरत-कैकई संवाद, राम-भरत मिलाप, सुपर्णखा प्रसंग और खर-दूषण वध जैसे प्रसंगों का मंचन किया जाएगा।

इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस.एम. गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश गोयल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेड़िया सहित समिति के पदाधिकारी व शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।


ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट संख्या–1, सेक्टर–नॉलेज पार्क–4, ग्रेटर नोएडा सिटी, जिला–गौतमबुद्ध नगर
वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in, ई–मेल : health@gnida.in

पत्रांक : स्वा0वि0/2025/2296 दिनांक 26/09/2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

प्रभारी वरिष्ठ प्रबन्धक (गौशाला), ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा की ओर से ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– स्वा0वि0/2025/2295, दिनांक 26.09.2025 के माध्यम से कार्य की ई–निविदा आमन्त्रित जाती है। ई–निविदा की समस्त नियम व शर्तें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in पर ई–निविदा लिंक एवं ई–पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईटें देखते रहें।

| क्र. सं. | कार्य का नाम/वर्क सर्किल | अनुमानित लागत |
|---|---|---|
| 1. | Selection of NGO/AWO for Sterilization of Stray Dogs in Greater Noida. | To be quoted by Bidder |

उक्त कार्य की निविदा दिनांक 29.09.2025 से 13.10.2025 को 17:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। उक्त कार्य की ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन बिड दिनांक 15.10.2025 को 11:00 बजे खोली जायेगी।

प्रभारी वरि0 प्रबंधक (गौशाला)

Follow Us On / OfficialGNIDA



CALIPH EXIM PVT. LTD.
Concept to reality
•ARCHITECTURE•CONSTRUCTION
•INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS !
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com


# बिट मेसरा नोएडा कैम्पस में पूर्व छात्र मिलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

**नोएडा (चेतना मंच)।** बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बिट) नोएडा कैम्पस 15 अक्टूबर 2025 को पूर्व छात्र मिलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। इस मौके पर विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित होगी, जिसका विषय होगा 'विकसित भारत हेतु ईएसजी की स्वीकृति, मापन और रिपोर्टिंग राष्ट्रीय सतत विकास का मार्ग'।

यह आयोजन बिट की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जिसके तहत संस्थान स्थायी विकास, जिम्मेदार नेतृत्व और पूर्व छात्रों की आजीवन सहभागिता को प्रोत्साहित करता है।

विकसित भारत की ओर सम्मेलन में पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) सिद्धांतों की भूमिका पर मंथन होगा। विशेषज्ञ ईएसजी फ्रेमवर्क, मापन मानक और स्थिरता रिपोर्टिंग जैसे विषयों पर विचार रखेंगे। यह मुद्दे आज कॉरपोरेट रणनीति और भारत की विकास यात्रा के अहम हिस्से माने जा रहे हैं।

इस सत्र का उद्घाटन बिट नोएडा कैम्पस के निदेशक प्रो. विकास त्रिपाठी करेंगे। चर्चा में प्रो. एस. एल.

गुप्ता, डॉ. निकेत मेहता, श्रीमती रचना प्रतीक और डॉ. चनप्रीत कौर जैसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल होंगे।

डा. त्रिपाठी ने कहा कि हम अपने पूर्व छात्रों और संकाय को इस महत्वपूर्ण विमर्श के लिए एक साथ लाने को लेकर उत्साहित हैं। आने वाले कल के नेताओं को स्थायी और जिम्मेदार विकास की दिशा में तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। यह आयोजन ईएसजी सिद्धांतों को हमारे पाठ्यक्रम और उद्योग संपर्क में गहराई से शामिल करने की दिशा में एक ठोस कदम है, जो 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में सहायक होगा।

# बैंक अधिकारियों की मनमानी से कारोबारी का धंधा चौपट लगाया षड्यंत्र का आरोप

**नोएडा (चेतना मंच)।** एक तरफ केंद्र सरकार आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के जरिये लघु उद्योगों को बढ़ावा देने का दावा कर रही है, वहीं इंडियन बैंक के अधिकारियों की कथित मनमानी से एक कारोबारी का व्यवसाय पूरी तरह ठप हो गया।

नोएडा के उद्यमी दीप नारायण गोयल ने शनिवार को मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता कर बैंक पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि अधिकारियों की मिलीभगत से न केवल उनकी 14 साल पुरानी कंपनी को नुकसान पहुँचाया गया बल्कि डीआरटी अदालत में झूठे दस्तावेज भी पेश किए गए।

गोयल ने आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों ने 10 करोड़ रुपये की सुविधा देने का झूठा आश्वासन दिया, स्वीकृत फंड को रोका और देरी से जारी किया, जिससे नकदी संकट और दोहरी ईएमआई का दबाव बना। उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण रिपोर्टों में फर्जीवाड़ा कर उनकी मशीनरी और स्टॉक को अनुपस्थित बताया गया तथा वास्तविक 6.27 करोड़ रुपये के लेन-देन को दबा दिया गया।

उनका आरोप है कि बरही, काला अंब और आवासीय संपत्तियों की नीलामी औने-पौने दाम पर की गई और ब्याज दर को बढ़ाकर 29.25 प्रतिशत तक कर दिया गया। गोयल के मुताबिक, 16.03 करोड़ रुपये के मूलधन के खिलाफ 18.54 करोड़ की वसूली करने के बावजूद 14 करोड़ से अधिक मूल्य की चल संपत्तियाँ जब्त रखी गईं और उन्हें कबाड़ घोषित करने का प्रयास किया गया।

व्यवसायी का कहना है कि इस षड्यंत्र से उन्हें लगभग 38ङ्क50 करोड़ रुपये तक का वित्तीय व प्रतिष्ठात्मक नुकसान हुआ है। उन्होंने बैंक अधिकारियों पर डराने-धमकाने और आपराधिक कदाचार का भी आरोप लगाया।

गोयल ने बताया कि उन्होंने न्याय के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों से शिकायत की है और उम्मीद जताई है कि उनके साथ हुई ज्यादती पर कार्रवाई होगी, ताकि उनका कारोबार दोबारा खड़ा हो सके।


भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com


# सीता स्वयंवर में टूटा 50 फीट का धनुष, 55 फीट ऊँचाई पर दिखा दिव्य नज़ारा

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** श्री रामलीला समिति ग्रेटर नोएडा द्वारा विजय महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित रामलीला मंचन में शनिवार की रात सीता स्वयंवर की भव्य लीला का आयोजन हुआ। मंचन की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि जनकपुरी में आयोजित स्वयंवर में देश-विदेश से आए महाराजाओं ने शिवधनुष उठाने का प्रयास किया लेकिन सभी विफल रहे। राजा जनक की व्यथा देखकर लक्ष्मण जी क्रोधित हुए, जिन्हें श्रीराम ने शांत कराया। मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि रविवार को राज्याभिषेक की घोषणा, मंथराङ्ककैकेयी संवाद, श्रवण वध, दशरथ मरण, राम वनवास, गुहूराज से भेंट और रामङ्ककेवट संवाद की लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सरदार

मंजीत सिंह, धर्मपाल प्रधान, बिजेंद्र सिंह आर्य, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, हरेन्द्र भाटी, कमल सिंह आर्य, अमित गोयल, गिरीश जिंदल, श्यामवीर भाटी, श्रीचंद भाटी, अनुज उपाध्याय सहित समिति के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

## सनस्काई लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का आईपीओ 30 सितम्बर को खुलेगा

मुंबई एजेंसी। सनस्काई लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (कंपनी, सनस्काई), जो एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्रदाता है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश 30 सितम्बर 2025 को खोलने का प्रस्ताव रखती है। कंपनी का लक्ष्य 1,683.60 लाख जुटाने का है, और शेयर बीएसई लिमिटेड के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इश्यू साइज 36,60,000 इक्विटी शेयर का है, प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 और आईपीओ प्राइस 46 प्रति शेयर है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग फ्लैटबेड ट्रेलर्स की खरीद, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों का आंशिक या पूर्ण प्रीपेमेंट/रीपेमेंट, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता पूरी करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू मंगलवार, 30 सितम्बर 2025 को खुलेगा और शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए लीड मैनेजर निर्भय कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है और रजिस्ट्रार केफिन टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड है। आकाश ए. शाह, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, सनस्काई लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने कहा, सनस्काई लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में हम लगातार इस दिशा में कार्यरत हैं कि संपूर्ण सप्लाई चेन को कवर करते हुए, ओरिजिन से डेस्टिनेशन तक निर्बाध और एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान किए जाएं। फ्रेट फॉरवर्डिंग, कस्टम्स क्लियरेंस, इनलैंड ट्रांसपोर्टेशन और प्रोजेक्ट कार्गो हैंडलिंग में विशेषज्ञता के साथ, हमने प्रमुख प्रमाणपत्रों और लंबे समय से चले आ रहे उद्योग साझेदारियों द्वारा समर्थित एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति बनाई है।

## सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 ने ग्रैंड फिनाले के लिए 20 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपनी अखिल-भारतीय इनोवेशन प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 के चौथे संस्करण की शीर्ष 20 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की। फाइनलिस्टों में ग्रामीण भारत, टियर 2 और टियर 3 शहरों के 12 राज्यों के प्रतिभाशाली युवा शामिल हैं, जो इस कार्यक्रम के उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं जिसमें युवा चेंजमेकर्स को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे अपने समुदायों की विभिन्न समस्याओं को तकनीक के माध्यम से हल करें। इस साल, एक 14 वर्षीय प्रतिभागी फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया, एक पूरी तरह से लड़कियों की टीम फाइनल राउंड में पहुंची, और पूर्वोत्तर भारत से दो टीमें शीर्ष 20 में शामिल हुई।

## कर्ज लेने के तमाम विकल्पों के बावजूद लोगों का बैंकों पर भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय मे कर्ज लेने के तमाम विकल्पों के बावजूद लोगों का भरोसा बैंकों पर बना हुआ है। आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में कहा गया है कि बैंकिंग टेक्नोलॉजी पर 53.31 फीसदी लोग भरोसा करते हैं। कर्ज देने वाले वैकल्पिक साधनों पर 43.50 फीसदी लोग ही भरोसा करते हैं ।इन साधनों से 40.69 फीसदी लोग खुश हैं। बैंकिंग टेक्नोलॉजी के लिए यह स्तर 42 फीसदी से अधिक है। आरबीआई ने तीन सकारात्मक भावनाओं पर सर्वे किया है। इसमें विश्वास, बेहतर परिणामों की प्रत्याशा और खुशी शामिल हैं। चार नकारात्मक भावनाओं पर भी यह सर्वे है। इसमें घृणा, उदासी, भय और क्रोध को शामिल किया गया है। कर्ज देने वाले वैकल्पिक साधनों के प्रति 13.68 फीसदी लोगों में गुस्सा है। बैंकिंग टेक में यह बढ़कर 15.35 फीसदी के स्तर पर पहुंच जाता है। वैकल्पिक साधनों से 13.10 फीसदी और बैंकिंग टेक से 12.86 फीसदी लोग निराश रहते हैं। बैंकिंग टेक से जहां 10.86 फीसदी लोगों में धोखाधड़ी होने का डर बना

### रोक दी कैशलेस क्लेम सेटलमेंट की सुविधा

# टाटा एआईजी ने भी मैक्स से पल्ला झाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख हॉस्पिटल चेन में से एक मैक्स हॉस्पिटल्स में इलाज कराने वालों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। स्टार हेल्थ और नीवा बूपा के बाद टाटा एआईजी इंश्योरेंस ने भी मैक्स हॉस्पिटल्स के साथ कैशलेस क्लेम सेटलमेंट की सुविधा को रोक दिया है। सी ए आर ई हेल्थ इंश्योरेंस के पॉलिसीधारकों के लिए भी दिल्ली-एनसीआर में मैक्स हॉस्पिटल की कैशलेस क्लेम सेटलमेंट सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। टाटा एआईजी ने 10 सितंबर से हॉस्पिटल में कैशलेस सेवाएं बंद कर दीं। स्टार हेल्थ और नीवा बूपा ने यह सुविधा देश भर में मैक्स के सभी 22 अस्पतालों के लिए बंद कर दी है। लेकिन सी ए आर ई ने केवल दिल्ली में स्थित मैक्स के अस्पतालों में यह

सुविधा बंद की है। मैक्स हॉस्पिटल के एक प्रवक्ता ने कहा कि मैक्स हेल्थकेयर और टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने 16 जनवरी, 2025 से 15 जनवरी, 2027 तक प्रभावी दो साल के टैरिफ समझौते पर बातचीत की, उसे रिन्यू किया और हस्ताक्षर किए थे। टाटा एआईजी ने यह भी कहा कि कंपनी ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इससे उनके ग्राहकों को कोई असुविधा नहीं होगी। कंपनी ने कहा कि सभी दावों को प्राथमिकता दी जा रही है और तेजी से निपटाया जा रहा है। इससे पॉलिसीधारक बिना किसी रुकावट के इलाज करवा सकेंगे। हमारी समर्पित सेवा टीमें हर मामले पर बारीकी से नजर रख रही हैं। वे पूरा सहयोग दे रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि हमारे ग्राहकों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो।

### एक्सप्रेस डेस्क

लेकिन जुलाई 2025 में टाटा एआईजी ने अचानक एक बैठक करने और दरों में और कमी की मांग की। कंपनी ने एकतरफा रूप से सहमत टैरिफ में कमी का प्रस्ताव रखा और कैशलेस सेवाओं को निलंबित करने की धमकी दी। जब हमने इसे स्वीकार नहीं किया, तो हमारे अस्पतालों में कैशलेस सेवाएं 10 सितंबर, 2025 से निलंबित कर दी गई। मैक्स ने बताया कि उसने एक एक्सप्रेस डेस्क बनाया है। यह डेस्क मरीजों को बीमा कंपनियों से अपने खर्चों की भरपाई करने में मदद करेगा। इससे मरीजों को मैक्स के अस्पतालों में पहले से भुगतान नहीं करना पड़ेगा।

## बी.ए.जी. कन्वर्जन्स लिमिटेड का आईपीओ 30 खुलेगा को

मुंबई, एजेंसी। बी.ए.जी. कन्वर्जन्स लिमिटेड (बी.ए.जी.), जो एक डिजिटल मीडिया कंपनी है और वेब, ऐप्स, सोशल मीडिया, यूट्यूब और कनेक्टेड टीवी प्लेटफॉर्म पर न्यूज24 और ई24 का संचालन करती है, जिसमें समाचार, मनोरंजन, खेल, आध्यात्म, ऑटो और टेक, बिज़नेस आदि शामिल हैं, अपनी आईपीओ (इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग) मंगलवार, 30 सितंबर 2025 को खोलने जा रहीं है । कंपनी का लक्ष्य 48.72 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाने का है, और शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू में 56,00,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं, प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 है, और प्राइस बैंड 82 - 87 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग मौजूदा व्यवसाय के विस्तार, कंटेंट का अधिग्रहण/उत्पादन, ब्रांड निर्माण खर्च और सामान्य कॉर्पोरेट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्सा 29 सितंबर 2025 को खुलेगा और इश्यू 03 अक्टूबर 2025 को बंद होगा। मैनेजर इन्वेंचर मर्चेंट बैंकर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है और रजिस्ट्रार माशितला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड है। बी.ए.जी. कन्वर्जन्स लिमिटेड की चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती अनुराधा शुक्ला ने कहा - बी.ए.जी. कन्वर्जेन्स लिमिटेड 2007 से न्यूज24, न्यूज24 स्पोर्ट, और ई24 बॉलीवुड, दर्शन 24, ऑटो 24, क्षेत्रीय समाचार के माध्यम से भारत के डिजिटल मीडिया परिदृश्य को आकार दे रही है, जो वेब, मोबाइल ऐप्स, सोशल मीडिया और कनेक्टेड टीवी पर दर्शकों तक पहुंचती है।

## संगीता जिंदल को फ्रांसीसी सम्मान

### शेवेलियर डे लऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस से किया सम्मानित

मुंबई, एजेंसी। भारत में फ्रांस के राजदूत, महामहिम श्री थिएरी माथौ ने आज जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती संगीता जिंदल को शेवेलियर डे लऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस (कला और साहित्य के शूरवीर का नाइट), जो फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, के प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया। यह पुरस्कार उन्हें उनके मुंबई स्थित निजी आवास पर प्रदान किया गया। यह सम्मान कला, संस्कृति और भारत में विरासत संरक्षण के प्रति श्रीमती जिंदल के असाधारण योगदान और भारत-फ्रांस सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण की स्वीकृति में दिया गया है।

जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के प्रमुख के तौर पर, श्रीमती जिंदल ने संस्कृति को अपने मिशन का केंद्र बनाया है और फ्रांस के साथ गतिशील नई साझेदारियाँ स्थापित की हैं। हम्पी आर्ट लैब्स में कलाकार निवास कार्यक्रमों के माध्यम से, उन्होंने भारतीय और फ्रांसीसी रचनाकारों के बीच आदान-प्रदान के लिए सार्थक स्थान बनाए हैं। 2024 में, उन्होंने कला और खेल के बीच संवाद को उजागर करने के लिए पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान फ्रांस के साथ सहयोग किया। इस वर्ष के अंत में, वह पेरिस में मोबिलियर नेशनल में टेक्सटाइल मैटर्स नामक प्रदर्शनी में भाग लेंगी।

पुरस्कार प्रदान करते हुए, राजदूत थिएरी माथौ ने कहा- अपने जुनून, दूरदर्शिता और उदारता के माध्यम से, श्रीमती जिंदल ने भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य को बहुत समृद्ध किया है और हमारे दोनों देशों को करीब लाया है। यह सम्मान उनकी उपलब्धियों और सांस्कृतिक पुलों के निर्माण की उनकी प्रतिबद्धता के लिए फ्रांस की गहरी कृतज्ञता और प्रशंसा को दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि यह हमारे देश के साथ एक बहुत ही फलदायक सहयोग और संवाद की बस शुरुआत है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, श्रीमती संगीता जिंदल ने कहा- मैं फ्रांस से यह सम्मान पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह भारत की विरासत की रक्षा करने के साथ-साथ हमारे दोनों राष्ट्रों के बीच सार्थक सांस्कृतिक सेतुओं को बढ़ावा देने की मेरी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। मैं इस सम्मान को उन तमाम कलाकारों, शिल्पकारों, संरक्षकों और संस्थानों को एक श्रद्धांजलि के रूप में स्वीकार करती हूं जिनके साथ काम करने का मुझे सौभाग्य मिला है। विरासत एक जीवित संसाधन है जो पीढ़ियों को जोड़ती है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हूं कि यह भविष्य को प्रेरित करती रहे।

### फेस्टिव कैम्पेन प्रेशियस, एवरी डे में किया डेब्यू, प्रेशियस, एवरी डे; आप खुद की खुशी मनाते हैं

## मिआ बाए तनिष्क के ब्रांड एम्बेसडर बनी अनीत पड्डा

मुंबई, एजेंसी। भारत के एक सबसे ट्रेंड-फॉरवर्ड फाइन ज्वेलरी ब्रांड, मिआ बाए तनिष्क ने जेन ज़ी स्टार अनीत पड्डा को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर चुना है। उनकी बोल्ड एनर्जी, बिना हिचकचाए, बिना डरे जैसी है वैसी रहना - वही आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और अनोखी प्रतिभा को दर्शाता है जो हर महिला में होता है। मिआ का अनीत को ब्रांड एम्बेसडर बनाना आधुनिक, स्वतंत्र महिला को सम्मानित करने की मिआ की ब्रांड फिलोसोफी से बहुत ही मिलता-जुलता है। आधुनिक महिलाओं में आत्मविश्वास की चमक साफ दिखाई देती है, वे अपनी अनोखी क्षमता को बखूबी सभी के सामने लाती हैं। अनीत के साथ मिआ का प्रेशियस, एवरी डे फेस्टिव कैम्पेन ऐसी महिलाओं को सक्षम बनाने के जश्न है, जो उनकी अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा और आत्मविश्वास को स्वीकार करती हैं, सभी के सामने रखती हैं।

कैम्पेन फिल्म का कॉन्टेक्स्ट जश्न है, फेमस इनोवेशन्स ने इसकी संकल्पना की है, इसमें अनीत मिआ के सबसे नए कलेक्शन, मैनिफेस्ट में से एक चोकर पहने हुए दिखाई देती है। क्लासिक रूपों में आधुनिकता को दर्शाया गया है। इसके लिए महलों के आर्चेस, पेस्ले और सोने, प्राकृतिक हीरों से सजे कमल के फूल का उपयोग किया गया है। साथ ही मोती, प्राकृतिक रंगीन सफायर और एवेंट्यूरिन क्वार्ट्ज़ को भी इस सजावट में बहुत ही बेहतरीन

तरीके से शामिल किया गया है।

मिआ की नयी फेस्टिव कैम्पेन फिल्म खुद के लिए प्यार और खुद की पसंद का जश्न है। फिल्म की शुरूआत होती है, तब हम देखते हैं कि अनीत तैयार हो रही है, कुछ इस तरह से मानो किसी खास शाम के लिए जा रही है। बहुत ही सोच-समझकर वह चुनती है मिआ के मैनिफेस्ट कलेक्शन का डायमंड चोकर और इयररिंग्स, उनके हावभाव दिखा देते हैं कि यह तैयार होना उनके अपने लिए बहुत ज़रूरी है। फिल्म में उनकी छोटी बहन पूछती है कि वह कहा जा रही है, तब अनीत आईने में देखकर, एक प्यारी सी मुस्कान और पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती है कि वह अपने खुद के साथ डेट पर जा रही है। इसी पल में फिल्म कैप्चर करती है इस कैम्पेन की सोच - अपने आप को पहचानना, स्वीकार करना और खुद के साथ समय बिताना खुशी देता है।

### प्रेशियस यानी अनमोल बनाने वाले पलों को सुनहरा बनाए

इस कैम्पेन में मिआ बाए तनिष्क ने आज की पीढ़ी की फेस्टिव ज्वेलरी पर प्रकाश डाला है, मिआ ने इस कैम्पेन के ज़रिए महिलाओं से कहा है कि वे खुद को हर दिन प्रेशियस यानी अनमोल बनाने वाले पलों को सुनहरा बनाए। यह फिल्म ब्रांड के शानदार और अनोखे डिज़ाइन दिखाती है, साथ ही एक सांस्कृतिक बदलाव को भी दर्शाती है, जिसमें आत्मविश्वास और खुद की प्रशंसा पर ज़ोर दिया जाता है। फिल्म में अनीत पड्डा बहुत ही खूबसूरत दिख रही है। हर पल के साथी के रूप में दर्शाया गया है।

## क्रोमा में शुरू हुआ सपनों का त्योहार - इलेक्ट्रॉनिक्स पर 35% की छूट

मुंबई, एजेंसी। टाटा समूह से जुड़ी भारत की अग्रणी ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर कंपनी क्रोमा ने अपने वार्षिक उत्सव अभियान फेस्टिवल ऑफ ड्रीम्स (सपनों का त्योहार) के साथ त्योहारी मौसम की शुरुआत की है। इस पेशकश के तहत त्योहारों को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए विशेष रूप से तैयार कई आकर्षक ऑफर की व्यवस्था है।

ग्राहक स्मार्टफोन, टीवी, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और रेफ्रिजरेटर पर स्टोर पर और ऑनलाइन, दोनों जगह शानदार छूट के साथ-साथ रोमांचक कैशबैक, ईएमआई और एक्सचेंज लाभों का भी लाभ उठा सकते हैं। हाल ही में घोषित जीएसटी सुधार के मद्देनज़र नए टीवी और एयर कंडीशनर पर 10त्न की अतिरिक्त बचत, घरेलू उपकरण खरीदना फायदेमंद हो गया है। 200

से ज़्यादा शहरों में 560 से ज़्यादा स्टोर्स की मज़बूत मौजूदगी और क्रोमा,कॉम और टाटा न्यू ऐप पर सहज खरीदारी के साथ, क्रोमा यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को आसानी से बेहतरीन डील मिले, चाहे वे अपने लिए खरीदारी कर रहे हों या दोस्तों और परिवार के लिए आकर्षक उपहार चुन रहे हों। ग्राहक दशहरा, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज के अवसर को 23 अक्टूबर तक की शानदार छूट, एक्सचेंज बोनस, 20त्न तक के कैशबैक ऑफर और आकर्षक ईएमआई लाभों के साथ खास बना सकते हैं। इनफिनिटी रिटेल लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा, त्योहारी खरीदारी सरल, आनंददायक और तनावमुक्त होनी चाहिए।

## 1,250 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई एजेंसी। आरकेसीपीएल लिमिटेड (कंपनी), जो कि भारत भर में एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रोड ओवर ब्रिज, राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, ड्रेनेज सिस्टम और नहर प्रणालियों सहित विशेष संरचनात्मक कार्यों को निष्पादित करने का अनुभव रखने वाली एक सिविल कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी है, उसने बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है ।बिक्री के लिए पेश किए गए इक्विटी शेयरों (ऑफर फॉर सेल) के जरिये 5,500 मिलियन रुपये [550 करोड़ रुपये] है। कंपनी ने प्राप्त होने वाली कुल धनराशि का उपयोग निर्माण उपकरणों की खरीद के लिए पूंजीगत व्यय की ज़रूरतों को पूरा करने; कार्यशील पूंजी की ज़रूरतों को पूरा करने; कुछ बकाया कर्ज़ों का पूर्ण या आंशिक रूप से पूर्व-भुगतान और/या पुनर्भुगतान करने; सहायक कंपनियों, यानी बठिंडा लुधियाना हाईवे प्राइवेट लिमिटेड, पोंटा साहिब हाईवे प्राइवेट लिमिटेड और अंबाला रिंग रोड हाईवे प्राइवेट लिमिटेड, में उनके कुछ कर्ज़ों का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान करने के लिए निवेश करने; और (1) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

## पहली बार बोनस शेयर दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों को लिए गुड न्यूज है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड ने बोनस शेयर का ऐलान किया है। कंपनी ने 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया है।

एक्सचेंज को दी जानकारी में एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड ने बताया है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। लेकिन उम्मीद है कि नवंबर से पहले रिकॉर्ड डेट की तारीख पर फैसला हो जाए।

बीएसई के डाटा के अनुसार यह कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड की तरफ से निवेशकों के बीच नियमित अंतराल पर डिविडेंड दिया जाता रहा है। आखिरी बार कंपनी के शेयर 13 जून 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने एक शेयर पर 1.20 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले फरवरी 2025 में कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब भी योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 1.20 रुपये का डिविडेंड मिला था।

शुक्रवार को एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 1.28 प्रतिशत की गिरावट के बाद 139.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 31 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, इसके बाद भी एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड के शेयरों को एक साल से होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 14 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।

## बायोफ्यूलसर्कल ने मप्र में नए बायोमास बैंक शुरू कर किसानों से संबंध मजबूत किए

सतना, एजेंसी। भारत की अग्रणी डिजिटल बायोएनर्जी सप्लाई चेन प्लेटफॉर्म बायोफ्यूलसर्कल मध्य प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर अपनी पहुँच बढ़ा रहा है, ताकि बायोमास एकत्रीकरण के लिए एक सस्टेनेबल इकोसिस्टम बनाया जा सके। किसानों से सीधे जुड़ाव और ग्रामीण स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, कंपनी ने आज सतना जिले के नागोद तहसील में स्थित मधिकला ग्राम पंचायत के अंतर्गत मधिकला बायोमास बैंक का उद्घाटन किया। इसके अलावा, राज्य भर में पांच और बायोमास बैंक स्थापित किए जा रहे हैं- जिनमें भोपाल जिले में बनखेड़ी, ताजपुरा और कानोरा, तथा सतना जिले के नागोद और बांधा शामिल हैं। इन बायोमास बैंकों में मुख्य कच्चा माल धान की पराली होगी। धान की पराली एकत्र करने का लक्ष्य रखता है और इसके लिए 12,000 से अधिक किसानों से जुड़ रहा है। पूरे देश में, कंपनी इस फसल सीजन में 2 लाख से अधिक किसानों के साथ मिलकर 6.5 लाख मीट्रिक टन बायोमास एकत्र करने का लक्ष्य रखती है। मशीनरी आधारित कटाई, फसल अवशेष प्रबंधन और किसानों के लिए वैकल्पिक आय के स्रोत को बढ़ावा देने वाली, मध्य प्रदेश सरकार की फसल अवशेष प्रबंधन - वेस्ट टू वैल्यूपहल के साथ, बायोफ्यूलसर्कल राज्य में पराली जलाने को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत कर रहा है। सतना और भोपाल जिलों में बायोमास बैंक स्थापित करके, बायोफ्यूलसर्कल धान की पराली को बाजार योग्य वस्तु में बदलने के लिए एक तैयार प्लेटफॉर्म बना रहा है। कंपनी किसान समूहों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), स्थानीय उद्यमियों और उपकरण साझेदारों के साथ साझेदारी इकोसिस्टम मॉडल के माध्यम से काम कर रही है।

### भारत सरकार की है रिपोर्ट, सबसे सस्ता जलमार्ग, रेल से माल भेजने की क्या है लागत

# सामान ढोने का सबसे कम खर्च जलमार्ग में पड़ता है

नई दिल्ली, एजेंसी। यूं तो पिछले कुछ वर्षों से सामान ढोने की लागत या लॉजिस्टिक कॉस्ट घटा है। लेकिन अभी भी यह दुनिया के कुछ देशों से ज्यादा है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार साल 2023-24 के दौरान भारत में सामान ढोने का कुल खर्च (लॉजिस्टिक्स कॉस्ट) देश की कुल कमाई का लगभग 7.97 प्रतिशत रहा है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सामान ढोने का सबसे कम खर्च जलमार्ग में पड़ता है। उसके बाद रेल मार्ग और फिर सड़क मार्ग का स्थान है। सामान ढुलाई का सबसे ज्यादा खर्च वायु मार्ग से पड़ता है। लेकिन यह अन्य साधनों की तुलना में कई गुना ज्यादा पड़ता है। इसलिए इस मार्ग का उपयोग बहुत कम किया जाता है।

केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग काम करता है। इसी की एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट को नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के सहयोग से तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत साल 2016 में लॉजिस्टिक कॉस्ट जीडीपी के 13 फीसदी के बराबर था। उसी साल अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में लॉजिस्टिक कॉस्ट करीब

8 फीसदी ही था। भारत में पिछले वर्ष यह घट कर करीब 8 फीसदी तो आ गया है, लेकिन गणना का तरीका बदल दिया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, जल मार्ग यानी पानी के जहाज से सामानों की ढुलाई सबसे सस्ती पड़ती है। लेकिन यह सुविधा सिर्फ समुद्र तटीय राज्यों को उपलब्ध है। जलमार्ग से एक टन सामान का प्रति किलोमीटर लॉजिस्टिक कॉस्ट महज 1.80 रुपये है। लेकिन यदि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब या उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों के कारोबारी या उद्योगपति चाहे तो इस मार्ग का उपयोग करना इनके लिए फायदेमंद नहीं है। इसके बाद रेल से सामान भेजना सबसे सस्ता तरीका साबित हुआ है। रेल से एक टन सामान एक किलोमीटर तक ले जाने में औसतन 1.96 रुपये का खर्च आता है। यह सड़क परिवहन से काफी कम है। रेलवे के साथ अच्छी बात यह है कि यह देश के लगभग हर हिस्से को जोड़ता है। बस जरूरत होती है कि रेल मार्ग से अपनी फैक्ट्री को जोड़ने की। यदि ऐसा नहीं है तो फिर रेलवे के माल गोदाम से सामान की हैंडलिंग करनी होती है।

### सड़क से भेजने की लागत क्या है

भारत में सबसे ज्यादा सामान सडक मार्ग से भेजा जाता है। इसमें आसानी यह हे कि चाहे कहीं भी आपकी फैक्ट्री या गोदाम हो, वहां तक सड़क होती ही है। यदि कहीं गांव में कच्ची सड़क के किनारे गोदाम हो तो वहां भी ट्रक पहुंच ही जाता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक सड़क मार्ग से ढुलाई का खर्च प्रति टन 11.03 रुपये प्रति टन प्रति किलोमीटर पड़ता है।

चाहे उद्योग जगत हो या आम ग्राहक, उनके लिए हवाई जहाज से सामान भेजना सबसे महंगा तरीका है। हालांकि यदि आप हवाई जहाज से सामान कहीं भेजते हैं तो कुछ ही घंटे में वह गंतव्य तक पहुंच जाता है। वहीं रेल या सड़क मार्ग से इसे भेजने में कई-कई दिन लग जाएंगे। हवाई मार्ग से एक टन सामान एक किलोमीटर तक भेजने में औसतन 72 रुपये का खर्च आता है। इसी वजह से, हवाई परिवहन का इस्तेमाल ज्यादातर उन चीज़ों के लिए होता है जो बहुत कीमती होती हैं या जिन्हें बहुत जल्दी पहुंचाना होता है।

## अडानी बनेंगे डूबते जहाज का सहारा, एक साथ 88 प्रॉपर्टीज खरीदने की तैयारी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी बड़ा धमाका करने की तैयारी में है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक वह मुश्किलों में घिरे सहारा समूह की कई प्रॉपर्टीज खरीदने की तैयारी में है। इनमें महाराष्ट्र में एंबी वैली, लखनऊ का सहारा शहर और मुंबई के सहारा स्टार होटल शामिल है। अडानी ग्रुप के साथ सहारा ग्रुप की 88 प्रॉपर्टीज खरीद सकता है। यह भारत की सबसे बड़ी प्रॉपर्टी डील हो सकती है। रिपोर्ट में दो कानूनी सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप की रियल एस्टेट कंपनी अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड सहारा ग्रुप की कई खास प्रॉपर्टीज को खरीदने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सहारा अपनी प्रॉपर्टीज को टुकड़ों में बेचने के बजाय एक साथ बेच रहा है। इनमें वे प्रॉपर्टीज शामिल हैं जिन्हें सहारा का क्राउन ज्वेल्स कहा जाता है। इनमें महाराष्ट्र में 8810 एकड़ में फैली एंबी वैली सिटी और मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित सहारा स्टार होटल शामिल हैं। साथ ही कई राज्यों में फैली ग्रुप की प्रॉपर्टीज भी अडानी ग्रुप के हवाले की जा सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी ग्रुप सहारा की प्रॉपर्टीज के खरीदने के लिए एकमुश्त पैसा दे सकता है। हालांकि यह डील आसान नहीं है क्योंकि सहारा ग्रुप के जुड़े कई मामले अदालत में चल रहे हैं। ग्रुप की कई कंपनियां मार्केट रेगुलेटर सेबी की जांच से गुजर रही हैं।

# आर्चरी प्रीमियर लीग से खेल को फैंस के करीब लाने की उम्मीद: रिषभ यादव

**नई दिल्ली।** दो से 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाली पहली आर्चरी प्रीमियर लीग में भारत और विश्व के शीर्ष आर्चर्स भाग लेंगे। विश्व और एशिया चैम्पियन रिषभ यादव इस लीग में भाग लेने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस प्रतियोगिता में पांच बार के ओलंपियन अमेरिकी आर्चर ब्रेडी एलिसन भी हिस्सा लेंगे। यह लीग पहली बार आयोजित होने वाला मिक्स्ड टीम इवेंट है, जिसमें छह फ्रेंचाइजी–प्रिथ्वीराज योद्धा (दिल्ली), राजपूताना रॉयल्स (राजस्थान), काकतीय नाइट्स (तेलंगाना), माइटी मराठा (महाराष्ट्र), चेरो आर्चर्स (झारखंड) और चोला चीफ्स (तमिलनाडु)–एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी।

गुरुग्राम के रिषभ यादव, जो चोला चीफ्स की ओर से कंपाउंड मेन्स कैटेगरी में खेलेंगे, ने कहा, 'आर्चरी प्रीमियर लीग हमारे खेल के लिए एक बड़ा कदम है। यह खिलाड़ियों को एक प्रमुख मंच देगा और आर्चरी को पूरे देश में फैंस के करीब लाएगा।' रिषभ यादव ने हाल ही में ज्योति सुरेखा वेण्णम के साथ मिक्स्ड टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड (1431 अंक) भी बनाया और व्यक्तिगत रूप से 716 अंक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अगस्त 2025 में उन्होंने वर्ल्ड गेम्स में भारत का पहला व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रचा। उनके मार्गदर्शक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, यादव ने विश्व चैम्पियनशिप और एशिया चैम्पियनशिप में कई पदक जीते हैं।

रिषभ ने कहा, 'लीग न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक की तैयारी का भी बेहतरीन मंच है।

अधिक मैच खेलकर हम अनुभव हासिल कर सकते हैं। पिछले साल मिक्स्ड टीम इवेंट में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा, और अब हमारा ध्यान ओलंपिक पदक हासिल करने पर और मजबूत हो गया है।' युवाओं के लिए यह भी उत्साहजनक है कि रिषभ एलिसन जैसे विश्व के शीर्ष आर्चर के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

# भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की

**लखनऊ।** भारत ए ने शुक्रवार को लखनऊ में खेले गए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने अंतिम दिन टी के पहले 412 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत में केएल राहुल और बी.साई सुदर्शन के शानदार शतकों का योगदान रहा। राहुल ने नाबाद 176 रन बनाए, जबकि सुदर्शन ने 100 रनों की तेज पारी खेली। कप्तान ध्रुव जुरेल ने तेजी से 50 रन बनाकर टीम को यादगार जीत तक पहुंचाया।

यह जीत भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 400+ रनों के केवल छठवें सफल रन चेज के रूप में दर्ज की गई। इससे पहले का उच्चतम लक्ष्य 2010 में दलीप ट्रॉफी फाइनल में वेस्ट जोन ने 536 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट से पूरा किया था।

भारत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में सबसे बड़ी सफल रन चेज:

536- वेस्ट जोन ने दक्षिण जोन को 3 विकेट से हराया (2010)

501- साउथ जोन ने इंग्लैंड ए को 6 विकेट से हराया (2004)

480- रेस्ट ऑफ इंडिया ने मुंबई को 4 विकेट से हराया (2016)

424- कॉमनवेल्थ कने बंगाल CM's कको 1 विकेट से हराया (1964) 421- रेस्ट ऑफ इंडिया ने दिल्ली को 5 विकेट से हराया (1982) 412- भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराया (2025)

# टीम इंडिया ने स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीते 4 पदक

**कुआलालंपुर (मलेशिया)।** स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 में भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम किए। यह प्रतियोगिता 16 से 20 सितंबर तक मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित स्टेडियम जुआरा, बुकीत किआरा में आयोजित हुई, जिसमें 10 देशों के एथलीट्स ने भाग लिया।

भारत की चान्वी शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने सुजिता सुकुमारन के साथ जोड़ी बनाकर महिला युगल वर्ग में रजत पदक भी अपने नाम किया। वहीं, अंकित दलाल ने पुरुष एकल वर्ग में रजत पदक जीता और अमल बेजू के साथ मिलकर पुरुष युगल वर्ग में भी रजत हासिल किया। भारत के उच्चायुक्त बीएन रेड्डी ने समापन समारोह में खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस उपलब्धि पर स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष ने कहा, 'हम अपने खिलाड़ियों की इस सफलता पर बेहद गर्व महसूस करते हैं।

हमारे एथलीट्स ने साहस, धैर्य और टीम स्पिरिट का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। मैं पूरे दल को हार्दिक बधाई देती हूँ और मलेशिया स्थित भारतीय राजदूत तथा भारतीय समुदाय का विशेष आभार व्यक्त करती हूँ। यह उपलब्धि भारत भर के युवाओं को प्रेरित करेगी।' इस प्रतियोगिता में कुल 10 देशों के 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 63 एथलीट और 17 यूनिफाइड पार्टनर्स शामिल थे।

## पहला बीएफआई कप चेन्नई में, टूर्नामेंट के जरिए नेशनल कैंप के लिए चुने जाएंगे मुक्केबाज

**नई दिल्ली।** मुक्केबाजों को नेशनल कैंप में शामिल होने का स्पष्ट मार्ग प्रदान करने के उद्देश्य से बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) पहला बीएफआई कप चेन्नई में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित करेगा। इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला दोनों के लिए 10-10 वेट कैटेगरी होंगी और गोल्ड व सिल्वर मेडल जीतने वाले मुक्केबाज सीधे एलीट नेशनल कैंप में शामिल होंगे। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारतीय बॉक्सिंग निश्चित रूप से ऊँचाईयों की ओर बढ़ रही है और बीएफआई खिलाड़ियों-केंद्रित दृष्टिकोण अपना परिणाम दिखा रहा है। बीएफआई कप इस दिशा में एक और कदम है।

यह टूर्नामेंट युवा मुक्केबाजों को अपना प्रदर्शन दिखाने का अवसर देगा और नेशनल टीम में प्रवेश का मार्ग खोलेगा। साथ ही, अनुभवी मुक्केबाज अपनी तैयारी का परीक्षण कर सकेंगे और नई प्रतिभाओं की पहचान में मदद मिलेगी।' प्रतियोगिता में आठवें एलीट नेशनल्स में शीर्ष आठ स्थान हासिल करने वाले राज्य इकाइयों/बोर्ड्स के खिलाड़ी एक-एक मुक्केबाज भेज सकते हैं। इसके अलावा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, रोहतक और होस्ट राज्य तमिलनाडु से भी खिलाड़ी भाग लेंगे।

## बार्सिलोना के पूर्व मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स एमएलएस सीजन के अंत में लेंगे संन्यास

**मियामी।** स्पेन और बार्सिलोना के पूर्व मिडफिल्डर सर्जियो बुस्केट्स इस साल की मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास लेने जा रहे हैं। इस घोषणा की पुष्टि उनके क्लब इंटर मियामी ने गुरुवार को की। इंस्टाग्राम पर एक विदाई वीडियो में बुस्केट्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब अपने पेशेवर फुटबॉल करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है। यह लगभग 20 सालों की अद्भुत यात्रा रही, जिसकी मैंने हमेशा कल्पना की थी।'

बुस्केट्स ने बार्सिलोना अकादमी से अपनी फुटबॉल यात्रा शुरू की और 2008 में सीनियर डेब्यू किया। उन्होंने क्लब के लिए 18 साल में 700 से अधिक मैच खेले और नौ ला लीगा खिताब तथा तीन चैंपियंस लीग ट्रॉफियां जीतीं। 2023 में उन्होंने मियामी का रुख किया और अपने पूर्व सह-खिलाड़ियों लियोनेल मेसी, जॉर्डी अल्बा और लुइस सुआरेज के साथ फिर से टीम में शामिल हुए। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के लिए बुस्केट्स ने 143 मैच खेले और 2010 फीफा वर्ल्ड कप और यूरो 2012 जैसी बड़ी सफलताओं में सेंटर की कमान संभाली। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन डिफेंसिव मिडफिल्डर्स में से एक माने जाने वाले बुस्केट्स ने अमेरिका में लीग्स कप और सपोर्टर्स शील्ड भी जीती। वह अपना करियर मियामी की आगामी एमएलएस प्लेऑफ अभियान के साथ समाप्त करेंगे।

# अर्थव्यवस्था

## अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए वार्ता जारी रखने का फैसला

**नई दिल्ली।** पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गए प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए बातचीत को जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि, ये समझौता कब होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गया भारतीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के दौरे के बाद 24 सितंबर को स्वदेश लौट आया है। उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई उपयोगी चर्चाएं कीं। मंत्रालय ने कहा कि इस चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए बातचीत को जारी रखने का फैसला लिया है।

मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि, राजदूत जैमीसन ग्रीर और भारत में नियुक्त होने वाले अमरीकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं। द्विपक्षीय व्यापार मामलों पर अमरीकी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठकों के अलावा प्रतिनिधिमंडल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर अमेरिका स्थित प्रमुख व्यवसायों और निवेशकों के साथ चर्चा की।

अमेरिका यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के विभिन्न पहलुओं पर अमेरिकी सरकार के साथ सकारात्मक बैठकें कीं।

दोनों पक्षों ने समझौते की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते के शीघ्र होने के उद्देश्य से वार्ताओं को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा इस दौरान व्यवसायों और निवेशकों के साथ हुई बैठकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली हैं। व्यापारिक नेतृत्व ने भारत की विकास गाथा में विश्वास जताया और भारत में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को तेज करने की इच्छा व्यक्त की।

## ईएसआईसी योजना से जुलाई महीने में जुड़े 20.36 लाख नए कर्मचारी

**नई दिल्ली।** कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ईएसआई योजना के तहत जुलाई में कम से कम 20.36 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं, जो जून महीने में नामांकित कुल 19.37 लाख नए कर्मचारियों की तुलना में 4.86 फीसदी अधिक है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि जुलाई में 20.36 लाख नए पंजीकरणों में 48.37 फीसदी 25 वर्ष से कम आयु के युवा हैं। ईएसआईसी की ओर से जारी की गई पेरोल आंकड़ों के अनुसार जुलाई, 2025 तक 31,146 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। मंत्रालय के मुताबिक ईएसआई योजना के तहत जोड़े गए नए कर्मचारियों में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग की भागीदारी 48 फीसदी से अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में जोड़े गए 20.36 लाख कर्मचारियों में से 9.85 लाख कर्मचारी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं, जो कुल पंजीकरण का लगभग 48.37 फीसदी हिस्सा है।

## सात्विक ग्रीन एनर्जी ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, पहले दिन ही 5 प्रतिशत से अधिक का नुकसान

**नई दिल्ली।** सोलर मॉड्यूल्स बनाने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 465 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5 रुपये के डिस्काउंट के साथ 460 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर बिना किसी बदलाव के 465 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में इस शेयर में और गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर टूट कर 427.10 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि बाद में लिवाली का सपोर्ट मिलने पर कंपनी के शेयर निचले स्तर से 12.60 रुपये की रिकवरी करके 439.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.44 प्रतिशत का नुकसान हो गया। सात्विक ग्रीन एनर्जी का 900 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 10.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 700 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,01,075 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ओडिशा के गोपालपुर में 4 गीगावाट की सोलर पीवी मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 100.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 213.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 88 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 2,192.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

**ट्रंप के टैरिफ बम के कारण शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, लगातार छठे कारोबारी दिन कमजोरी के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी**

# निवेशकों के 6.60 लाख करोड़ स्वाहा

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के नए ऐलान, आईटी सेक्टर के शेयरों में आई गिरावट, कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार छठे दिन गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। फार्मास्यूटिकल, आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े छह करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 450.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,280 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,073 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,064 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,784 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें से 458 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,326 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 203.67 अंक की कमजोरी के साथ 80,956.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,033.09 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बढ़ाने की कोशिश करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। खासकर, दोपहर 1 बजे के बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में ये सूचकांक जबरदस्त गिरावट का शिकार होकर 827.27 अंक टूट कर 80,332.41 अंक तक गिर गया। कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 733.22 अंक की गिरावट के साथ 80,426.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

## कोल इंडिया ने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख के त्योहारी इनाम की घोषणा की

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों ने त्योहारों से ठीक पहले अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख रुपये के प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार (पीएलआर) देने की घोषणा की। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के कोयला उपक्रमों ने अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1,03,000 रुपये के प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार की घोषणा की है। कोयला उद्योग के लिए संयुक्त द्विपक्षीय समिति की मानकीकरण समिति की 25 सितंबर को हुई छठी बैठक के बाद इस प्रोत्साहन पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पीएलआर से कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के लगभग 2.1 लाख गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों और एससीसीएल के करीब 38,000 गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को फायदा होगा। यह राशि उपस्थिति के आधार पर आनुपातिक आधार पर जमा की जाएगी। इस प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार का कुल वित्तीय भार सीआईएल के लिए 2153.82 करोड़ रुपये और एससीसीएल के लिए 380 करोड़ रुपये होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार देने की घोषणा पर एक्स पोस्ट में कोल इंडिया परिवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोल इंडिया परिवार के 2.09 लाख गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को 1,03,000 रुपये का प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार मिल रहा है। यह निर्णय जेबीसीसीआई-क की मानकीकरण समिति की छठी बैठक में लिया गया। इसके लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हम उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं!

## आंखों में दिखें ये 5 बदलाव तो हो जाएं सतर्क, किडनी डैमेज का हो सकता है संकेत

शरीर की सेहत बिगड़ने पर वह कई तरह से संकेत देता है और इनमें से एक अहम संकेत हमारी आंखों से भी मिलता है। अगर आपकी आंखों में कुछ अजीब से बदलाव हो रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल न करें, क्योंकि यह किडनी में गड़बड़ी का शुरुआती लक्षण हो सकता है। जी हां, किडनी की खराबी का असर हमारी आंखों पर भी साफ दिखने लगता है। किडनी शरीर का बेहद जरूरी अंग है, जो हमारे शरीर से वेस्ट (जहरीले तत्व) को बाहर निकालने और फ्लूइड बैलेंस बनाए रखने का काम करती है। जब यह अंग सही से काम नहीं करता, तो शरीर में कई बदलाव दिखने लगते हैं जिनमें आंखों के लक्षण भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आंखों में कौन से संकेत किडनी की बीमारी की तरफ इशारा करते हैं।

### लगातार सूजी हुई आंखें

अगर आपकी आंखें हर सुबह हल्की सूजी हुई नजर आती हैं तो यह सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर दिनभर या लगातार आंखों के आसपास खासकर पलकों पर सूजन बनी रहती है, तो यह किडनी में खराबी का संकेत हो सकता है। यह स्थिति तब होती है जब किडनी से प्रोटीन यूरीन (पेशाब) में लीक होने लगता है, जिसे प्रोटीन्यूरिया कहा जाता है।

### धुंधला या दोहरा दिखना

अगर अचानक आंखों से धुंधला दिखाई देने लगे, चीजों को फोकस करने में दिक्कत हो या दोहरी चीजें दिखने लगें, तो यह आंखों की छोटी ब्लड वेसल्स में खराबी का संकेत है। यह समस्या हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी या डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है, जो हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की वजह से होती है और यही दोनों किडनी खराब होने के सबसे बड़े कारण माने जाते हैं।

### आंखों में लगातार खुजली और सूखापन

किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी या डायलिसिस पर चल रहे मरीजों में यह बहुत आम बात है। आंखों में बार-बार खुजली होना, जलन और सूखापन इस ओर इशारा करता है कि शरीर में वेस्ट प्रोडक्ट्स और कैल्शियम जमा हो रहे हैं, जिससे आंखों की नमी पर असर पड़ता है और आंसू कम बनने लगते हैं।

### आंखों का लाल होना

कभी-कभी थकान, एलर्जी या वायरल के कारण भी आंखें लाल हो सकती हैं, लेकिन अगर बिना किसी सीजनल कारण के आंखें लाल और फूली हुई नजर आएं, तो यह हाई ब्लड प्रेशर का संकेत हो सकता है। ब्लड वेसल्स में प्रेशर बढ़ने से आंखों की कोशिकाएं फटने लगती हैं और आंखें लाल नजर आने लगती हैं। यह भी एक संकेत हो सकता है कि किडनी ठीक से काम नहीं कर रही।

### रंगों को पहचानने में दिक्कत

किडनी की खराबी के कारण कुछ लोगों को खासकर नीले और पीले रंग को पहचानने में दिक्कत होती है। यह समस्या ऑप्टिक नर्व डैमेज या रेटिना में बदलाव की वजह से हो सकती है। ऐसा तब होता है जब हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या यूरिया के जहरीले तत्व (यूरेमिक टॉक्सिन्स) आंखों तक पहुंचने लगते हैं।

### इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

आंखों में कभी-कभार सूजन या खुजली होना आम बात है, लेकिन अगर यह समस्याएं लगातार बनी रहें और साथ में थकान, पेशाब में बदलाव, या शरीर में सूजन जैसे लक्षण हों तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

# फैटी लिवर है तो खाना शुरू कर दें ये चीजें, एक हफ्ते में दिखेगा फर्क

एक स्टडी के अनुसार, भारत में लिवर कैंसर के 35-40% मामलों का प्रमुख कारण फैटी लिवर है। पहले यह बीमारी मुख्य रूप से हेपेटाइटिस बी और शराब के सेवन से जुड़ी थी, लेकिन अब मोटापा, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल का बढ़ता स्तर, फैटी लिवर और फिर लिवर कैंसर का प्रमुख कारण बन गया है इसलिए फैटी लिवर की समस्या को समय रहते ही सही करना बहुत जरूरी है।

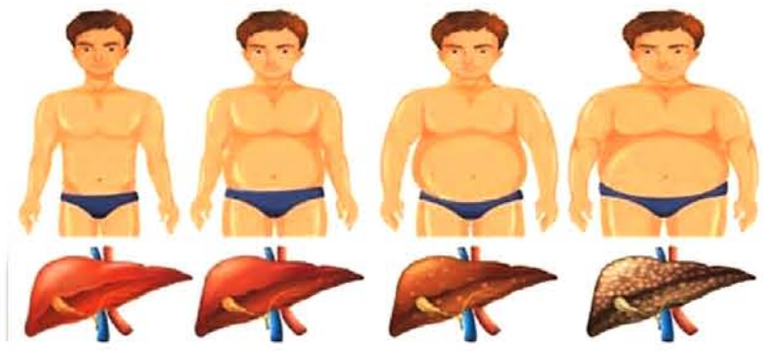

### फैटी लिवर क्यों होता है?

फैटी लिवर की समस्या तब होती है जब लिवर की कोशिकाओं में अत्यधिक वसा (फैट) जमा हो जाती है, जिससे लिवर सही ढंग से काम नहीं कर पाता। यह समस्या अगर समय पर ध्यान न दी जाए तो लिवर की अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। अच्छी बात यह है कि नैचुरल तरीकों से सही आहार और जीवनशैली में बदलाव करके फैटी लिवर की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

### फैटी लिवर की समस्या के संकेत और लक्षण

फैटी लिवर की समस्या तब उत्पन्न होती है जब लिवर में अत्यधिक वसा जमा हो जाती है। यह समस्या शुरुआती चरणों में स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाती, लेकिन जब वसा की मात्रा अधिक बढ़ जाती है, तो कुछ लक्षण सामने आ सकते हैं। यहाँ फैटी लिवर की कुछ प्रमुख निशानियाँ दी गई हैं-

1. थकान और कमजोरी: फैटी लिवर के मरीजों में सामान्यत: अत्यधिक थकान और कमजोरी महसूस होती है। लिवर शरीर में ऊर्जा के भंडारण और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन जब लिवर में फैट जमा हो जाता है, तो उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिससे शरीर में थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है।

2. पेट में दर्द या भारीपन: फैटी लिवर की समस्या के कारण पेट के दाईं ओर (ऊपरी हिस्से) में दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है। यह दर्द कभी-कभी हल्का होता है, लेकिन कभी-कभी यह असहनीय भी हो सकता है। यह लिवर में फैट जमा होने के कारण लिवर की सूजन का परिणाम होता है।

3. वजन बढ़ना या मोटापा: फैटी लिवर से पीड़ित लोगों में आमतौर पर वजन बढ़ने की समस्या देखी जाती है। विशेष रूप से पेट के आसपास वसा का जमाव बढ़ सकता है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है।

4. भूख कम लगना: फैटी लिवर के मरीजों में भूख में कमी महसूस हो सकती है। यह लिवर की कार्यक्षमता में कमी के कारण होता है, क्योंकि लिवर का सही से काम न करना पाचन तंत्र को भी प्रभावित करता है।

5. पीलिया: गंभीर मामलों में, फैटी लिवर से लिवर की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे त्वचा और आंखों का रंग पीला पड़ने लगता है। इसे पीलिया कहते हैं, जो लिवर में गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

6. त्वचा पर खुजली: लिवर की खराब कार्यक्षमता के कारण शरीर में विषाक्त पदार्थों का जमाव बढ़ जाता है, जिससे त्वचा पर खुजली और जलन महसूस हो सकती है।

7. सिरदर्द और चक्कर आना: फैटी लिवर की समस्या में मस्तिष्क तक रक्त प्रवाह में कमी आ सकती है, जिससे सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

8. गैस्ट्रिक समस्याएं: फैटी लिवर के कारण पेट फूलने, गैस, बदहजमी, और एसिडिटी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

9. उल्टी या मतली: कुछ मरीजों को मतली या उल्टी जैसा महसूस हो सकता है, खासकर जब वे भारी या फैट युक्त भोजन का सेवन करते हैं। यह लिवर के सही ढंग से पाचन तंत्र को सपोर्ट न कर पाने के कारण हो सकता है।

10. असामान्य लिवर फंक्शन टेस्ट: फैटी लिवर की पुष्टि के लिए लिवर फंक्शन टेस्ट किया जाता है। अगर लिवर एंजाइम्स की मात्रा बढ़ी हुई पाई जाती है, तो यह फैटी लिवर की निशानी हो सकती है।

आइए जानें कि फैटी लिवर के लिए क्या खाएं, क्या नहीं खाएं और इसे नैचुरली कैसे ठीक किया जा सकता है:-

### फैटी लिवर में डाइट कैसी रखें? नैचुरल तरीके से ठीक होगी समस्या

फैटी लिवर की समस्या है तो सबसे पहले अपनी डाइट से ऑयली चीजें निकाल दें।

खाना अध-पका और नैचुरल खाएं। आपका खाना 40 से 50 प्रतिशत तक ही पका होना चाहिए।

कलरफुल व हरी सब्जियां अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

नट्स आपकी डाइट में होने चाहिए। हर तरह के नट्स खाने सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

रोज का एक सेब जरूर खाएं। हल्दी का सेवन करना फैटी लिवर की समस्या को दूर करता है। ज्वार-बाजरा जरूर खाएं क्योंकि ये ग्लाइसेमिक इंडेक्स फूड हैं। वीट (गेंहू) खाने से शुगर लेवल जल्दी बढ़ता है जबकि ज्वार-बाजरा में शुगर लेवल बहुत स्लो रहता है।

1. फैटी लिवर में क्या खाएं ?

हरी पत्तेदार सब्जियां: पालक, केल और मेथी जैसी सब्जियाँ लिवर के लिए बेहतरीन होती हैं क्योंकि ये एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होती हैं।

फलों का सेवन: सेब, संतरा, पपीता, और बेरीज जैसे फल फैटी लिवर में फायदेमंद होते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर होते हैं, जो लिवर की मरम्मत में मदद करते हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड वाले खाद्य पदार्थ: मछली (सैल्मन, सार्डिन), अलसी के बीज, अखरोट और चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो लिवर में सूजन को कम करने और फैट को घटाने में मदद करते हैं।

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ: ओट्स, ब्राउन राइस, और साबुत अनाज वाले खाद्य पदार्थ फाइबर से भरपूर होते हैं और पाचन प्रक्रिया को सही रखते हैं। ये लिवर से फैट को हटाने में मददगार साबित होते हैं।

ग्रीन टी: ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो लिवर में वसा को कम करने में मदद करते हैं और लिवर के कामकाज को बेहतर बनाते हैं।

हल्दी: हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन लिवर की सूजन को कम करने और लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है।

याद रखें ये बातें - फैटी लिवर की समस्या को नियंत्रित और ठीक करने के लिए सही आहार और जीवनशैली में बदलाव जरूरी है। हरी सब्जियों, फल, फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर आहार का सेवन करके, नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन से इस समस्या को नैचुरल तरीके से ठीक किया जा सकता है। आपको हफ्ते में ही फर्क दिखना शुरू हो जाएगा।

फैटी लिवर ये समस्या तो अब आम ही सुनने को मिल रही है। फैटी लिवर होने के चलते, आपको आगे कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें शुरू हो जाती है। वहीं फैटी लिवर लिवर कैंसर का प्रमुख कारण भी बन रहा है। इस समस्या को दूर करने में आपकी डाइट का बहुत बड़ा रोल रहता है। आपको कुछ चीजों का सेवन अधिक करना है जबकि कुछ चीजों से बिलकुल परहेज करने की जरूरत होती है। सिर्फ दवाई के सहारे ही आप सही नहीं हो सकते डाइट का भी रोल जरूर रहता है।

### फैटी लिवर में क्या नहीं खाएं?

प्रोसेस्ड फूड: जैसे फास्ट फूड, पैकेटबंद स्नैक्स, बिस्किट, और फ्रोजन फूड में अनहेल्दी फैट और शुगर होती है, जो लिवर के लिए हानिकारक होती है।

चीनी और शुगर युक्त पेय पदार्थ: शुगर युक्त पेय जैसे सॉफ्ट ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स, और स्वीटेड जूस फैटी लिवर की समस्या को बढ़ा सकते हैं। यह लिवर में वसा जमा करने का मुख्य कारण होते हैं।

अत्यधिक शराब: शराब फैटी लिवर का सबसे बड़ा कारण है। इसे पूरी तरह से छोड़ देना चाहिए या बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए। सफेद आटा और सफेद चावल: ये रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो लिवर में वसा के जमाव को बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय ब्राउन राइस और साबुत अनाज का सेवन करें। तले हुए और फैट वाले भोजन: गहरे तेल में तले हुए भोजन और सैचुरेटेड फैट वाले खाद्य पदार्थ लिवर में फैट की मात्रा बढ़ा सकते हैं। ऐसे में तले हुए भोजन से दूर रहना चाहिए।

### नैचुरल तरीके से फैटी लिवर को कैसे ठीक करें?

वजन कम करें: वजन कम करना फैटी लिवर को ठीक करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। 5-10% तक वजन कम करने से लिवर की फैट की मात्रा में काफी कमी आ सकती है।

नियमित व्यायाम: रोजाना कम से कम 30 मिनट का व्यायाम करें। तेज चलना, साइकिल चलाना, योग या तैराकी जैसे व्यायाम फैटी लिवर को ठीक करने में मदद करते हैं। नियमित व्यायाम से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है और फैट कम होता है।

पर्याप्त नींद लें: सही मात्रा में और अच्छी गुणवत्ता वाली नींद भी फैटी लिवर की समस्या को ठीक करने में सहायक है। नींद की कमी से शरीर में सूजन बढ़ सकती है, जिससे लिवर पर बुरा असर पड़ता है तनाव कम करें: तनाव कम करने के लिए ध्यान (मेडिटेशन) और योग करें, जिससे लिवर की स्थिति में सुधार हो सकता है।

# बिना पैसे खर्च किए अपना अल्कलाइन पानी खुद बनाएं

अच्छी सेहत की शुरुआत इस बात से होती है कि आप क्या खाते-पीते हैं। रोजाना पीने वाला पानी भी आपके स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्कलाइन पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। बता दें कि 8 से 9 पीएच स्तर वाला क्षारीय पानी शरीर की अम्लता को संतुलित करता है, बेहतर हाइड्रेशन देता है और समग्र स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। अच्छी बात यह है कि आप इसे घर पर ही बेहद आसान तरीके से बना सकते हैं, वह भी बिना महंगी मशीन के।

अल्कलाइन पानी क्या है?

पीएच स्केल 0 से 14 तक होती है, जिसमें 7 को सामान्य या न्यूट्रल माना जाता है। 7 से कम पीएच वाला पानी अम्लीय होता है और 7 से ज्यादा पीएच वाला पानी क्षारीय कहलाता है। साधारण पानी का पीएच लगभग 7 होता है, लेकिन क्षारीय पानी में खास खनिज मौजूद होते हैं जो इसके पीएच को बढ़ाते हैं। यही कारण है कि यह पानी शरीर की अम्लता को संतुलित करने और कई अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ देने में मदद करता है।

अल्कलाइन पानी बनाने की सामग्री

साफ और ताजा पीने का पानी

मिट्टी का बर्तन (क्ले पॉट), तांबे का बर्तन या कांच का जग

गाजर के स्लाइस

खीरे के स्लाइस

नींबू के टुकड़े

अदरक के छोटे टुकड़े

पुदीना (टकसाल) के पत्ते

धनिया के पत्ते

आंवला (ताजा या सूखा)

तुलसी के पत्ते

स्वाद के लिए हरी मिर्च का छोटा टुकड़ा भी डाल सकते हैं।

बनाने की आसान विधि

1. पानी का आधार तैयार करें: मिट्टी के बर्तन में ताजा पानी भरें। इसमें तांबे का बर्तन रखें और 10-12 घंटे के लिए ढककर रख दें।

2. सब्जियां और खट्टे फल: अब इस पानी को कांच के जग में डालें। गाजर, खीरा और नींबू के स्लाइस डालकर कुछ देर छोड़ दें।

3. हर्ब्स और मसाले: अदरक के छोटे टुकड़े, पुदीना और धनिया के पत्ते डालें। चाहें तो हरी मिर्च का छोटा टुकड़ा भी डाल सकते हैं।

4. आंवला और तुलसी: 6 घंटे बाद इसमें 3-4 आंवले के टुकड़े और मुट्ठी भर तुलसी के पत्ते डालें। कुछ और घंटे के लिए रख दें ताकि सभी स्वाद और गुण पानी में अच्छे से मिल जाएं।

5. तैयार है आपका क्षारीय पानी: इस पानी को ठंडी और छायादार जगह पर रखें। पूरे दिन इस पानी का सेवन करें।

क्षारीय पानी कब और कैसे पिएं?

सुबह खाली पेट अल्कलाइन पानी पिएं

दिन की शुरुआत एक गिलास क्षारीय पानी से करें। यह शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करता है, पेट को साफ रखता है और मेटाबॉलिज़्म को तेज करके पूरे दिन ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है।

धीरे-धीरे पिएं

अल्कलाइन पानी को एक बार में जल्दी-जल्दी पीने के बजाय छोटे-छोटे घूंट लेकर धीरे-धीरे पिएँ। ऐसा करने से शरीर इसे बेहतर तरीके से अवशोषित करता है और अधिक फायदे मिलते हैं।

दिनभर पिएं

शरीर को हाइड्रेटेड रखने और डिटॉक्स प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए दिनभर में 3-4 गिलास क्षारीय पानी पिएं। नियमित सेवन से शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और ऊर्जा बनी रहती है।

अल्कलाइन पानी के अद्भुत फायदे

बेहतर हाइड्रेशन: अल्कलाइन पानी सामान्य पानी की तुलना में तेजी से कोशिकाओं में अवशोषित होता है। यह आपको लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखता है और थकान कम करता है।

पीएच संतुलन बनाए रखता है: यह शरीर में बनने वाली अतिरिक्त अम्लता को कम करता है, जिससे एसिडिटी, गैस और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

प्राकृतिक डिटॉक्सिफिकेशन: यह पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है और किडनी के काम को आसान बनाता है।

इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है: इसमें मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और बीमारियों से बचाव करते हैं।

# क्या वह अपना टॉक शो लॉन्च कर रही हैं कावेरी कपूर?



कावेरी कपूर ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट से अपने फॉलोअर्स को अटकलों के भंवर में डाल दिया है। इस दिलचस्प पोस्ट में वह एक आकर्षक, गुलाबी स्टूडियो जैसे सेटअप में बैठी दिख रही हैं, जहाँ पीछे वर्बल वॉमिट नाम की एक नीयॉन लाइट जल रही है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बस लिखा, कमिंग सुन... कैप्शन दिया, जिसने उनके अगले करियर स्टेप को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी है। यह सेटअप किसी साधारण सोशल मीडिया कंटेंट से कहीं ज़्यादा प्रोफेशनल दिखता है, जिससे अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि यह या तो एक टॉक शो होगा या फिर एक पॉडकास्ट सीरीज़। विभिन्न विषयों पर बेबाकी से बोलने की उनकी क्षमता और उनके स्वाभाविक आकर्षण से यह संकेत देते हैं कि इस प्रोजेक्ट का जो भी फ़ॉर्मेट हो, वह आज की युवा पीढ़ी से निश्चित रूप से जुड़ाव बना पाएगा, जो आज की क्यूरेटेड दुनिया में असलियत की तलाश कर रही है।

कावेरी ने खुद को इंडस्ट्री की सिर्फ एक और उभरती हस्ती से कहीं बढ़कर साबित किया है। वह एक ऐसी आवाज़ बन चुकी हैं, जिसे लोग सुनना चाहते हैं। जब वो सामने बैठ कर सवाल पूछेंगी और गहरी बातचीत का मंच देंगी, तो वर्बल वॉमिट एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बन सकता है जहाँ से ईमानदार और विचारोत्तेजक संवाद शुरू होंगे। चाहे वो किसी हाई-प्रोफ़ाइल मेहमान से तीखे सवाल करें या ट्रेंडिंग टॉपिक्स पर अपनी बेबाक राय साझा करें—एक बात तो तय है- यह न्नद्गद्व स्टार हमें वह अनफ़िल्टर्ड कॉन्टेंट देने वाली है, जिसकी हमें ज़रूरत थी, लेकिन शायद हमें इसका अंदाज़ा भी नहीं था।

जहाँ उनका अगला प्रोजेक्ट सुर्खियाँ बटोर रहा है, वहीं कावेरी इन दिनों शेखर कपूर की मासूम 2 में व्यस्त हैं और साथ ही उनका अगला सिंगल, जिसे नॉटी बॉय ने प्रोड्यूस किया है, रिलीज़ के लिए तैयार है। कावेरी की छवि एक ऐसी युवा आवाज़ बन चुकी है जो बेबाक और बिना फ़िल्टर के अपनी बात रखती है। ऐसे में वर्बल वॉमिट उनके लिए एक परफ़ेक्ट प्लेटफ़ॉर्म हो सकता है, जहाँ वे अपनी पीढ़ी के अहम मुद्दों पर गहराई से बात कर सकें। चाहे यह एक स्टाइलिश टॉक शो के रूप में सामने आए या फिर एक निजी और ईमानदार पॉडकास्ट के रूप में, यह प्रोजेक्ट उन बेबाक और सच्ची बातचीतों का वादा करता है जो आज के समय में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए मीडिया परिदृश्य में दुर्लभ होती जा रही है।



# विक्रांत मैसी ने श्रीश्री रविशंकर की फिल्म पर दिया अपडेट

**71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड पाने के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में हैं। इस उपलब्धि से वह काफी खुश हैं। लेकिन असल में उनके लिए सफलता के मायने बिल्कुल अलग हैं। श्रीश्री रविशंकर के रोल को निभाने के बाद वह कैसा फील कर रहे हैं, इस बात का भी जिक्र विक्रांत मैसी ने किया है।**

विक्रांत के लिए बदल गए सफलता के मायने दिल्ली में एएनआई से बातचीत करते हुए विक्रांत कहते हैं, '20 साल पहले जब मैंने शुरुआत की थी तो सफलता की परिभाषा अलग थी। आज मेरे लिए इसका मतलब है वो जिंदगी जीना जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इसका मतलब यह नहीं कि अवॉर्ड जीत जाऊं या मशहूर हो जाऊं। बस वो जिंदगी जीनी है जो हमेशा से जीना चाहता था। परिवार साथ हो और चैन की नींद सो सकूं। अपने बच्चे की परवरिश कर पाऊं। दुनिया घूमने जाऊं। अपनी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को पूरा कर कर सकूं। यही सफलता है।'

## श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक को लेकर क्या कहा

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को भी विक्रांत शेयर करते हैं। वह कहते हैं, 'यह एक बहुत ही खास फिल्म है। मैं गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी का रोल निभा रहा हूं। यह फिल्म पूरी तरह से दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में सेट है और 52 वर्षों तक चले गृहयुद्ध पर बेस्ड है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे गुरुदेव रविशंकर जी ने अहिंसा और क्षमा के भारतीय मूल्यों के माध्यम से वहां शांति की शुरुआत की। इस फिल्म का मकसद लोगों को सशक्त बनाना और गुरुदेव के योगदान पर चर्चा करना है। इस रोल को लेकर बहुत दबाव में हूं। अभी तक निर्माता और निर्देशक की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है।'

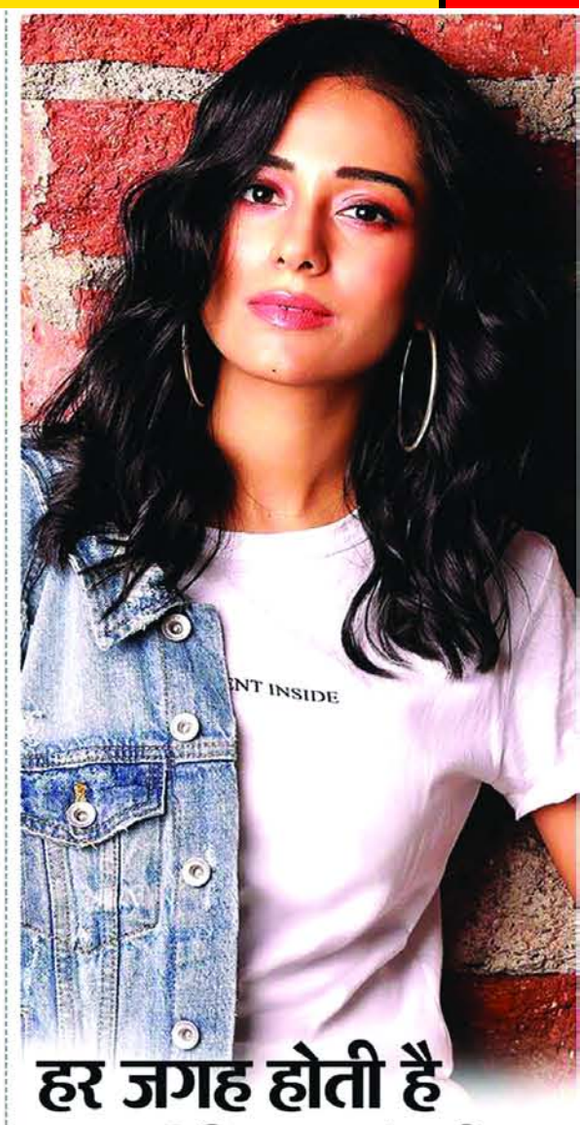

# दिलजीत के एमी नॉमिनेशन पर डायरेक्टर इम्तियाज ने की पोस्ट



फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' और एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की अलग-अलग कैटेगरी में हुआ है। इस खबर को सुनकर दिलजीत के बाद डायरेक्टर इम्तियाज अली और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। दिलजीत दोसांझ की करियर में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगिरी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए उनका नॉमिनेशन हुआ है। दिलजीत की खुशी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के इम्तियाज अली और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी शामिल हुए। दोनों ने दिलजीत के नॉमिनेशन की बात को अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। सिंगर, एक्टर दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में लीड रोल किया था, फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली हैं। इम्तियाज ने दिलजीत के इंटरेशनल एमी नॉमिनेशल वाले पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किया है। बताते चलें कि फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए दिलजीत दोसांझा का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगरी में हुआ है। वहीं इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी सीरीज कैटेगरी में भी जगह मिली है।

# साई पल्लवी को मिलेगा कलैमामणि अवॉर्ड



तमिलनाडु सरकार ने कला और संस्कृति में योगदान देने के लिए भरतियार, एमएस सुब्बुलक्ष्मी और कलैमामणि पुरस्कारों की घोषणा की। ये अवॉर्ड साल 2021, 2022 और 2023 के लिए कलाकारों को दिए जाएंगे। इसमें सिंगर केजे येसुदास को संगीत में उनके योगदान के लिए एमएस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं अभिनेत्री साई पल्लवी ने कलैमामणि पुरस्कार अपने नाम किया।

## साई पल्लवी और एसजे सूर्या को मिला कलैमामणि पुरस्कार

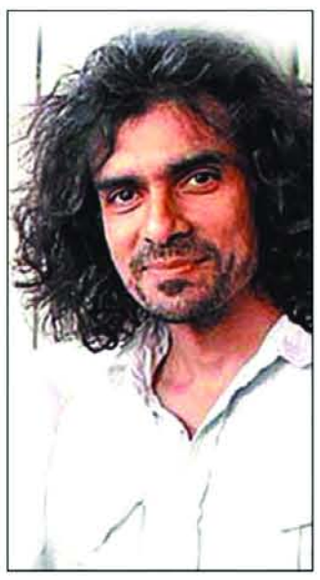

साल 2021 के लिए अभिनेत्री साई पल्लवी, अभिनेता एसजे सूर्या, निर्देशक लिंगुसामी, सेट डिजाइनर एम जयकुमार और स्टंट कोरियोग्राफर सुपर सुब्बारायण को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई। वहीं टेलीविजन अभिनेता पीके कमलेश को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

## संगीतकार अनिरुद्ध को भी मिलेगा कलैमामणि

जबकि साल 2023 के लिए अभिनेता मणिकंदन, जॉर्ज मेरीन, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर, गायिका श्वेता मोहन, कोरियोग्राफर सैंडी उर्फ संतोषकुमार, जनसंपर्क अधिकारी और निक्किल मुरुकन को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में टेलीविजन अभिनेता एनपी उमाशंकर बाबू और अजगन तमिजमनी को भी कलैमामणि पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

## अक्तूबर में दिए जाएंगे अवॉर्ड

ये पुरस्कार तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति निदेशालय की संस्था तमिलनाडु इयाल इसाई नाटक मंद्रम द्वारा प्रदान किए जाते हैं। आज इन पुरस्कारों की घोषणा हुई है। ये पुरस्कार अक्तूबर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने एक बयान में बताया कि प्रत्येक विजेता कलाकार को तीन स्वर्ण पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।



# हर जगह होती है राजनीति, इसके लिए आपको खुद को तैयार करना होगा

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

## पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

# हिम्मत का मतलब निडरता नहीं...

**जब भारत में मी टू आंदोलन शुरू हुआ था तब मैं उन चुनिंदा कलाकारों में थी जिन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उस समय मैं एक टीवी शो की जज थी और 18 एपिसोड शूट कर चुकी थी। जैसे ही मैंने आवाज उठाई मुझे बहिष्कृत कर दिया गया। उस शो से मेरी जगह चली गई। मुझे कई साल कोई बड़ा काम नहीं मिला, लेकिन यह सब करना जरूरी था। मेरी आवाज ने उस चर्चा को जन्म दिया, जो लंबे समय से जरूरी थी। इसके बाद महिलाओं के लिए काम करने की जगहें अधिक सुरक्षित और बेहतर बनीं। मेरी मेहनत और संघर्ष का महत्व साफ हो गया।**

## मेरी आवाज ने बदलाव की शुरुआत की

अपने कॉलेज के दिनों का एक अनुभव साझा करूंगी। मैं एक बस में सफर कर रही थी। उसी बस में एक आदिवासी जोड़ा भी सफर कर रहा था। कंडक्टर ने उन्हें धोखा देकर ज्यादा किराया वसूलने की कोशिश की। मैंने बीच में दखल दिया तो उसने मुझे धमकाया कि बीच हाईवे पर ही उतार देगा। उस समय मैंने हिम्मत जुटाकर उसे बेवकूफ बनाया कि मैं एक पत्रकार हूं और बड़े लोगों से मेरा संपर्क है। आखिरकार मामला सुलझ गया। उस दिन मुझे यह समझ आया कि हिम्मत का मतलब निडर होना नहीं, बल्कि सही समय पर सही बात के लिए खड़ा होना है। खासतौर पर तब, जब किसी और की इज्जत दांव पर लगी हो।

## साहस रोजाना की मेहनत में है

साहस का मतलब है हर दिन अपनी सच्चाई के साथ खड़ा रहना, चाहे वह मुश्किल या असुविधाजनक ही क्यों न हो। हर दिन खुद को दिखाना, मेहनत करना और डटे रहना..यही मेरी प्रेरणा है। मुझे खुशी है कि मेरा काम, मेरे कई गाने और प्रदर्शन समाज में विचारों को जागृत करने का जरिया बने। मुझे क्या बेचेगा रुपैया ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए सशक्तिकरण का संदेश दिया। रंगाबती ने ओडिशा की लोककला को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। बेखौफ ने महिलाओं को अपनी आजादी और जगह फिर से हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मेरे लाइव शो ने यह दिखाया कि संगीत, नृत्य और कहानी के माध्यम से समाज में संवाद और बदलाव संभव है। मेरे लिए सच्ची खुशी केवल गायिका बनने में नहीं, बल्कि एक कलाकार बनने में है, जिसकी कला समाज के विचारों को चुनौती देती है और समय की झलक दिखाती है। मैंने तीन ओरिजिनल लाइव फॉर्मेट्स बनाए हैं - लाल परी मस्तानी, और सोना तराशा। मैंने ये तय किया कि बॉलीवुड पर निर्भर न रहकर अपनी अलग इंडिपेंडेंट राह बनाऊं। मैंने देखा है कि संगीत, डांस और कहानी कहने का तरीका सोच बदल सकता है और नए संवाद खोल सकता है। भारत में औरतों को हमेशा सिर्फ खूबसूरत परफॉर्मर के रूप में देखा गया है, कभी प्रोड्यूसर की कुर्सी पर नहीं। मैं अपने इन शोज के जरिए ये कर रही हूं और दूसरों के लिए भी नए मौके बना रही हूं।

## अपनी आवाज पर भरोसा रखें

अंत में महिलाओं को बस यही संदेश देना चाहूंगी कि सही समय का इंतजार मत करें। आपकी आवाज आज भी महत्वपूर्ण है। हां, प्रतिरोध आएगा और हां, आपको कुछ खोना पड़ सकता है, लेकिन चुप रहना लंबे समय में कहीं ज्यादा महंगा है। अपने भीतर की आवाज पर भरोसा रखें और लगातार प्रयास करते रहें। हर बार जब आप खड़े होते हैं, आप दूसरों के लिए रास्ता आसान बनाते हैं। यही असली बदलाव है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025

# कारोबारियों को मिल रहे हैं अच्छे ऑर्डर, उत्पादों की मांग बढ़ी

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोमार्ट में आयोजत किए जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों से पहुंचे एग्जीबीटर ट्रेड शो में मिल रहे व्यापारिक प्रस्तावों से काफी उत्साहित हैं। अधिकतर कारोबारी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो ( यूपीटीआईएस- 2025 ) के लिए उत्तर प्रदेश व केन्द्र सरकार को धन्यवाद दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट ( ओडीओपी ) योजना के जरिए उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। सरकार के प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाओं व कारीगरों को रोजगार मिला है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में स्टॉल लगाने वाले कारोबारियों को अच्छे ऑर्डर मिल रहे हैं। साथही उनके उत्पादों की डिमांड भी बढ़ रही है। उत्पादों की डिमांड बढ़ने के कारण रोजगार भी मिल रहा है।**

### आजमगढ़ की 'ब्लैक पॉटरी' को लेकर आए हैं

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से आई प्रिंसी राय सिंह ने बताया कि हम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के साथ मिलकर स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग कराते हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में हम आजमगढ़ की परंपरागत 'ब्लैक पॉटरी' को लेकर आए हैं। प्रिंसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आजमगढ़ की इस कला को देश दुनिया तक पहुंचाने का अवसर मिला है। उन्होंने लोगों से इस ट्रेड शो में जरूर आने और कारीगरों की मदद करने की अपील की।

### ट्रेड शो मिले अच्छे ऑर्डर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' में अपना स्टॉल लगाने वाले एक कारोबारी ने बताया कि उन्हें अच्छे ऑर्डर मिले हैं। आज उनके उत्पादों की मांग बढ़ी है। साथ ही, लोगों को बड़े स्तर पर रोजगार भी मिला है। उन्होंने कहा कि अब उनके उत्पादों को एक्सपोर्ट भी किया जा रहा है जिसका लाभ कई लोगों को मिल रहा है।

### स्वदेशी अपनाना जरूरी

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आए रूप सिंह ने बताया कि हमारे साथ 50 से 60 महिलाएं ODOP उत्पाद बनाने में काम कर रही हैं। 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' में मैं तीसरी बार आया हूं। मैं अपनी इस कला के माध्यम से कम से कम 200 लोगों को रोजगार दे चुका हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमारे देश में स्वदेशी अपनाना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री के इस प्रयास को बढ़ाने के लिए हम काम कर रहे हैं।

### होम मेकर से रिकॉर्ड ब्रेकर बनीं हूं

उत्तर प्रदेश के कानुपर जिले से आई रेणु मारवा ने बताया कि वह यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहली बार आई हूं। मुझे यहां पर बहुत ही अच्छा अनुभव मिला है। हर उम्र, हर वर्ग की महिलाएं मेरे साथ काम कर रही हैं। मैं होम मेकर से रिकॉर्ड ब्रेकर बनीं हूं और लोगों को काम देने लायक भी बनी हूं। मैं इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहूंगी। उन्होंने हमें एक बड़ा प्लेटफॉर्म दिया है। आज सरकार की योजनाओं के जरिए लोगों को रोजगार मिला है। सरकार ने फंडिंग और बैंकों से लोन की व्यवस्था को आसान बनाकर कई लोगों की सहायता की है।

### उत्तर प्रदेश सरकार ने हमारी बहुत मदद की

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आई शिखा मिश्रा ने बताया कि हम ODOP प्रोडक्ट में काम करते हैं। 'ब्लैक पॉटरी' हमारे यहां का जीआई टैगिंग प्रोडक्ट है। इस काम में सरकार ने भी हमारी बहुत मदद की है। आज 'ब्लैक पॉटरी' कई लोगों का घर चला रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इसके लिए धन्यवाद है। जिन्होंने ODOP के माध्यम से लोगों को रोजगार से जोड़ा है। सरकार लगातार हर हाथ में रोजगार पहुंचाने के लिए कार्य करती है। ट्रेड शो में उनके उत्पादों को लेकर विदेशी खरीददार भी काफी रूचि दिखा रहे हैं जिनका उन्हें काफी फायदा होगा।

# यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में परिवहन विभाग का भी स्टॉल

**ग्रेटर नोएडा।** उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ परिवहन विभाग का स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहा। नवनियुक्त परिवहन आयुक्त श्रीमती किंजल सिंह ने अपर परिवहन आयुक्त मयंक ज्योति, संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद प्रमोद कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नोएडा सियाराम वर्मा, केंद्र प्रभारी योगराज सिंह समेत कई अधिकारियों के साथ स्टॉल का निरीक्षण किया।

हॉल नंबर 4 के द्वितीय तल पर लगाए गए स्टॉल पर विभाग की वर्तमान सफलताएं और आगामी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। ड्राइविंग सिम्युलेटर मशीनें विशेष आकर्षण रहीं, वहीं फेसलेस सेवाओं और सड़क सुरक्षा संबंधी वीडियो भी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित किए गए।

स्टॉल पर परिवहन विभाग की ओर से इलेक्ट्रिक वाहनों का विशेष प्रदर्शन किया गया। जनता को जानकारी दी गई कि यूपी में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर संपूर्ण टैक्स छूट और अधिकतम 1 लाख रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध है। 13 अक्टूबर 2025 से यह सुविधा केवल राज्य में निर्मित ई-वाहनों तक सीमित रहेगी। परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

# फेलिक्स हॉस्पिटल की बाइकाथॉन में गूंजा 'दिल की सेहत' का संदेश

**नोएडा ( चेतना मंच )।** विश्व हृदय दिवस पर आज सुबह फेलिक्स हॉस्पिटल्स की ओर से हार्ले डेविडसन के सहयोग से आयोजित बाइकाथॉन में सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर दिल की सेहत पर जागरूकता का संदेश फैलाया। सेक्टर-137 से शुरू हुए इस आयोजन में बाइकर्स का काफिला बायोडायवर्सिटी पार्क तक दौड़ा।

मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुए कहा कि हृदय रोगों से लड़ने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन लोगों में शारीरिक सक्रियता और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाते हैं।

विशिष्ट अतिथि मीडिया जगत के दिग्गज संत प्रसाद राय उपस्थित रहे। हार्ले डेविडसन के प्रतिष्ठित बाइकर्स संजीव जौली, सुभाष चोत्राणी, अजय वर्मा, संजय और अरुण दावर ने बाइकाथॉन में भाग लेकर हृदय स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को सफल बनाया।

### योग, जुंबा और स्वास्थ्य संदेश से समृद्ध कार्यक्रम

योग विशेषज्ञ पूर्णिमा जोशी ने बायोडाइवर्सिटी पार्क में जुंबा सेशन का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रतिभागियों को योगासनों और हृदय स्वास्थ्य के वैज्ञानिक लाभों से अवगत कराया।

फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने कहा कि हृदय रोग दुनिया भर में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। उनकी रोकथाम के लिए जीवनशैली में बदलाव आवश्यक है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और मानसिक तनाव से दूरी हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि रोजाना 30.40 मिनट की मध्यम गति की दौड़ ब्लड प्रेशर नियंत्रित करती है, बुरा कोलेस्ट्रॉल घटाती है और अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाती है। दौड़ने से एंडोर्फिन हार्मोन निकलता है जो मानसिक तनाव कम करता है।

### 'दिल की धड़कन न चूके' थी थीम, बच्चों और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

फेलिक्स हॉस्पिटल्स की डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि इस साल आयोजन की थीम दिल की धड़कन न चूके रखी गई। इसका उद्देश्य लोगों में रोज़मर्रा की फिटनेस और हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना है। कार्यक्रम में जुंबा, कार्डियो टॉक और क्विज जैसी गतिविधियां कराई गईं। कार्डियो टॉक में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सरल भाषा में बताया कि हृदय स्वस्थ रखने के लिए किन आदतों को अपनाना और किन्हें छोड़ना चाहिए। क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। गुरुग्राम से आए हार्ले डेविडसन बाइकर्स ने बाइकाथॉन को आकर्षण का केंद्र बनाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी की, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहा।

# रजत विहार में दुर्गा अष्टमी उत्सव और गरबा-डांडिया नाईट

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा के रजत विहार के सी ब्लॉक में विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में दुर्गाष्टमी उत्सव और गरबा, डांडिया-सिंदूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे समाज से श्रद्धालु जुड़े और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के लिए अपने श्रद्धा और समर्पण का परिचय दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा विधिपूर्वक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना एवं शस्त्र पूजन से हुई। रजत विहार परिवार की मातृशक्ति द्वारा गरबा और डांडिया के कार्यक्रम में सुंदर प्रस्तुतियां दीं गईं। जिसका संचालन एवं निर्देशन श्रीमती ममता गौड़ एवं अंजू रानी ने किया। इस गरबा-डांडिया के कार्यक्रम को 'सिंदूर' नाम दिया और दुर्गा माता से प्रार्थना की कि समाज और देश के दुश्मनों का नाश जिस तरह से ऑपरेशन 'सिंदूर' में किया गया, वैसे ही माता रानी समाज के दुश्मनों व दुष्टों का पूर्ण नाश करें।

दुर्गा अष्टमी के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विहिप नोएडा के जिला अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने कहा दुर्गाष्टमी हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन का पर्व है, जो मातृशक्ति की ऊर्जा और बच्चों की भक्ति से और भी प्रबल होता है। वहीं मुख्य अथिथि विहिप जिला मंत्री दिनेश महावर ने कहा कि यह पर्व नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम अध्यक्ष जी.पी. शर्मा एवं आर आर कसाना ने मिलजुलकर ऐसे आयोजनों की महत्ता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में विहिप जिला सह मंत्री राजीव शर्मा, विहिप के जिला कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, प्रज शर्मा, अक्षित, बॉक्सर, विहिप-बजरंग दल के सभी कार्यकर्ता, तथा DDRWA अध्यक्ष एन.पी. सिंह, जितेन्द्र अवस्थी, सुब्रत मोहाकूद, दिनेश सिंह, अरुण गौड़, पंकज कसाना, नवनीत पुरवार, अनिल भट्ट, शक्ति सिंह, सुभाष, मातृशक्ति ममता गौड़, शीतल भाटी, गिन्नी झा, उर्मिला बिष्ट, रोली शर्मा, मोनिका शर्मा, रतनाम पुरवार, नेहा कुमार, राखी बिष्ट, रश्मि रैना, शैला गौड़, कोमल सिंह एवं अन्य सम्मानित महिलाएं व पुरुष और सेंकड़ों की संख्या में निवासी शामिल हुए।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

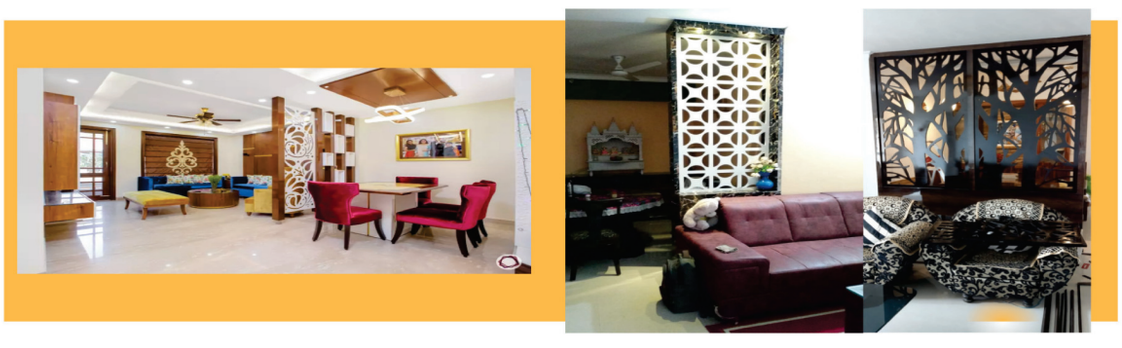

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com